दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 130 | ग्वालियर, सोमवार 18 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

आर्थिक पैकेज: वित्त मंत्री की आज की घोषणाओं पर पीएम मोदी बोले-

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में आएंगे बदलाव

मनरेगा के लिए 40 हजार करोड़ रुपए का आवंटन बढ़ाया गया

गांव जा रहे प्रवासी मजदूरों को काम मिल सके। ग्रामीण क्षेत्रों में काम की कमी ना आए और आमदनी का साधन मिले इसके लिए 40 हजार करोड़ रुपए का अधिक आवंटन किया जा रहा है। इससे 300 करोड़ व्यक्ति कार्यदिवस उत्पन्न होंगे।

जनस्वास्थ्य क्षेत्र के लिए घोषणा

जनस्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश बढ़ाया जाएगा। इसके लिए रिफॉर्म्स किए जाएंगे। ग्रामीण स्तर पर ऐसी सुविधाएं देने की आवश्यकता है जो महामारी की स्थिति में लड़ने की क्षमता हो। इसके लिए स्वास्थ्य के क्षेत्र में निवेश बढ़ाया जाएगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में वेलनेस सेंटरों को बढ़ावा दिया जाए। सभी जिला स्तर के अस्पतालों में संक्रामक रोगों से लड़ने की व्यवस्था की जाएगी। लैब नेटवर्क मजबूत किए जाएंगे।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा आज आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत घोषित 20 लाख रुपए के आर्थिक पैकेज को लेकर अंतिम घोषणा कर दी गई। बीते चार दिनों में उन्होंने लगातार इसका लेखा-जोखा देश की जनता के समक्ष रखा। आज की घोषणाओं में स्वास्थ्य और शिक्षा को लेकर कई अहम बातें कही गईं। इसकी सराहना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी की है। पीएम मोदी ने कहा कि आज वित्त मंत्री द्वारा घोषित उपायों और सुधारों का देश के स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों पर परिवर्तनकारी प्रभाव पड़ेगा। वे उद्यमिता को बढ़ावा देंगे, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की मदद करेंगे और गांव की अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करेंगे। राज्यों को भी इसका फायदा मिलेगा।

कोरोना संकट और लॉकडाउन की वजह से सुस्त पड़ती अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए आत्मनिर्भर भारत पैकेज की पांचवी किस्त के तहत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सात बड़ी घोषणाएं कीं। मनरेगा, स्वास्थ्य, शिक्षा, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, निजीकरण, राज्य सरकारों को मदद के रूप में 7 अहम ऐलान किए गए।

पीएम ई विद्या प्रोगाम की शुरुआत

मल्टीमोड एक्सेस डिजिटल/ऑनलाइन के जरिए पढ़ाई के लिए पीएम ई विद्या योजना की शुरुआत की जाएगी। दीक्षा- स्कूल एजुकेशन के लिए ई-कॉन्टेंट और क्यू आर कोड से जुड़े किताब उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका नाम होगा वन नेशन वन डिजिटल प्लैटफॉर्म होगा। हर क्लास के बच्चों की पढ़ाई के लिए अलग टीवी चैनल होगा, वन क्लास वन चैनल योजना के जरिए। रेडियो, कम्युनिटी रेडियो और पॉडकास्ट का इस्तेमाल बढ़ाया जाएगा। द्वियांगों के लिए भी सामग्री तैयार की जाएगी ताकि वे भी ऑनलाइन पढ़ाई कर सकें। अधिकतर बच्चों का समय टीवी और स्मार्टफोन के सामने गुजर रहा है। गतिविधियां कम हो गई हैं। घर से बाहर निकलना कम हो गया है। उनके मेंटल हेल्थ और साइकलॉजी सपॉर्ट के लिए मनोदर्पण की शुरुआत की जाएगी।

प्रवासी मजदूरों के मुद्दे पर सरकार / सीतारमण बोलीं- राहुल सड़क पर मजदूरों से बात करके उनका वक्त खराब कर रहे थे

हाथ जोड़कर यह भी कहा- सोनिया जिम्मेदारी समझें

नई दिल्ली. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत रविवार को आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने मजदूरों के घर वापसी के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रवासी मुद्दे पर विपक्ष को राजनीति करने की जगह मिलकर काम करना चाहिए। मैं सोनिया गांधी से हाथ जोड़कर अपील करती हूं कि इस मुद्दे पर राजनीति न करें। वित्त मंत्री ने कहा कि हम प्रवासियों को ट्रेन में बिठाकर, उनके खाने का इंतजाम कर घरों तक पहुंचा रहे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं या उनके सहयोगियों की सरकारें वहां वे और ट्रेनें मंगवाकर और इतनी सुविधाएं देकर और ज्यादा प्रवासियों को घर भेजें। इस दौरान उन्होंने मजदूरों के घर वापसी मुद्दे पर बात करते हुए दो बार हाथ जोड़ा और विपक्ष से साथ काम करने की अपील की।

वित्त मंत्री ने बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, ÷प्रवासी जब पैदल जा रहे हैं तो उनके साथ बैठकर बात करने की बजाय बेहतर होगा कि उनके बच्चों या उनके सूटकेस को उठाकर पैदल चलें। दुख के साथ कह रहूं इस बात को, जबकि आराम से भी कह सकती हूं। कांग्रेस अपनी सरकारों वाले राज्यों को क्यों नहीं बोलती कि और ट्रेन मंगवाओ। मैं कांग्रेस के ही शब्दों में कह रही हूं कि कांग्रेस हर दिन ड्रामेबाजी कर रही है। कल प्रवासियों के साथ रास्ते पर बैठकर बात करने की जो घटना हुई, क्या ये ऐसा करने का समय है? वो ड्रामेबाज नहीं हैं क्या? दरअसल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को दिल्ली में सुखदेव विहार के पास प्रवासी मजदूरों से मिलने पहुंचे थे। निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं विपक्ष को हाथ जोड़कर विनम्रता के साथ कहना चाहती हूं कि प्रवासियों के मुद्दे पर हमें साथ मिलकर काम करना है। पूरे देश में लोग दुख के साथ ये बात कर रहे हैं कि प्रवासियों का क्या हाल हो गया है। इतने राज्यों के साथ मिलकर जब हम कदम उठा रहे हैं तो ये फिर ये क्या तरीका है। ऐसा दिखा रहे हैं जैसे कि उनके राज्यों में प्रवासियों को सभी सुविधाएं मिल रही हैं बाकी में नहीं मिल रहीं। मैं हाथ जोड़कर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी जी से कह रही हूं कि प्रवासियों के मुद्दे पर जिम्मेदारी से बयान दें, इस मामले को जिम्मेदारी से डील करें। आई एम सॉरी।

राहुल शनिवार को प्रवासी मजदूरों से मिले थे-राहुल गांधी ने शनिवार को दिल्ली में सुखदेव विहार फ्लाईओवर के पास प्रवासी मजदूरों से मुलाकात की थी। अपने घर जा रहे देवेंद्र ने बताया कि राहुल ने करीब 30 मिनट तक मजदूरों का हाल जाना। मास्क, खाना और पानी दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बोलकर गाड़ियां मंगवाई और कहा कि इनसे आप सभी लोगों को घर तक पहुंचाया जाएगा।

गौतम गंभीर ने दिया शाहिद अफरीदी को करारा जवाब- 70 साल से भीख मांग रहा है पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कश्मीर के बारे में दिए गए विवादित बयानों पर गौतम गंभीर ने पलटवार किया है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और वर्तमान सांसद गौतम गंभीर ने ट्वीट करते हुए अफरीदी को करारा जवाब दिया है। ट्वीट करते हुए गंभीर ने सिर्फ अफरीदी ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा पर भी निशाना साधा और इन तीनों को जोकर बताया है। दरअसल, सोशल मीडिया पर शाहिद अफरीदी के कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में यह पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कश्मीर भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान के बारे में विवादित टिप्पणियां कर रहा है।

महाराष्ट्र: लॉकडाउन-फेज 3 का 14वां दिन / सरकार ने कंटेनमेंट एरिया में लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ाया

राज्य में संक्रमितों की संख्या 30 हजार के पार

मुंबई. महाराष्ट्र में संक्रमण बेकाबू होता जा रहा है। राज्य में रविवार सुबह तक संक्रमितों की संख्या 30,706 तक पहुंच गई है। वहीं, अब तक 1,135 लोग संक्रमण से अपनी जान गंवा चुके हैं। इस बीच राज्य सरकार ने कंटेनमेंट एरिया में लॉकडाउन 31 मई तक बढ़ा दिया है। उधर, राज्य के सबसे कोरोना प्रभावित शहर मुंबई और पुणे में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती शुरू हो गई है। पुणे में शनिवार को सुरक्षा बलों ने शहर के कुछ इलाकों में पैदल मार्च भी किया। राज्य सरकार की मांग पर केंद्र ने केंद्रीय सुरक्षा बल की 20 कंपनियां महाराष्ट्र भेजी हैं। मजदूरों की घर वापसी पर उद्धव सरकार के मंत्री सवाल उठा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा, मजदूरों को उनके गृह राज्य भेजने में राज्य और केंद्र सरकार विफल रही है। प्रवासियों को उनके घर भेजने का इंतजाम करने के लिए बिना पैसा खर्च किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

शनिवार से रविवार सुबह राज्य में संक्रमण के 1,606 नए मामले सामने आए। इसके बाद राज्य में कुल संक्रमितों की संख्या 30,706 तब पहुंच गई है। सबसे खराब स्थिति मुंबई की है। यहां अब तक 18,555 संक्रमित मिले हैं। पिछले 24 घंटों में मुंबई में 41 मौतों सहित राज्य में कुल 67 लोगों की जान गई। यह संक्रमण से एक दिन में होने वाली मौत का सबसे बड़ा आंकड़ा है। राज्य में अब कुल मृतकों की संख्या 1,135 हो गई है। इनमें से मुंबई में 696 लोगों की मौत हुई है। शनिवार को 524 लोगों को संक्रमण मुक्त होने के

बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। प्रदेश में अब तक 7,088 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। राज्य में 1516 स्थानों को निषिद्ध क्षेत्र यानी कंटेनमेंट इलाका घोषित किए जा चुके हैं। इसके अलावा, राज्य में कुल 3,34,558 लोगों को घर में ही आइसोलेशन में रखा गया है जबकि 17,048 लोग संस्थागत आईसोलशन में हैं। महाराष्ट्र में कोरोना संकट में लगातार ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों को कुछ आराम देने के लिए मुंबई, पुणे, मालेगांव, अमरावती समेत अन्य शहरों में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती हो गई है।

पंजाब के बाद अब महाराष्ट्र ने 31 मई तक बढ़ाया लॉकडाउन

मुंबई। कोरोना वायरस के कहर के बीच महाराष्ट्र सरकार ने लॉकडाउन की अवधि को बढ़ाने का फैसला लिया है। पंजाब के बाद अब महाराष्ट्र ने लॉकडाउन को 31 मई तक बढ़ा दिया है। राज्य के मुख्य सचिव अजय मेहता ने लॉकडाउन बढ़ाने का आदेश जारी किया। इस तरह से पंजाब और महाराष्ट्र ने औपचारिक तौर पर लॉकडाउन-4 की घोषणा कर दी। महाराष्ट्र देश का वह राज्य है, जहां कोरोना वायरस ने सबसे अधिक तबाही मचाहई है। दरअसल, केंद्र सरकार पहले ही यह कह चुकी है कि देश में लॉकडाउन का चौथा चरण भी लागू होगा, जिसकी औपचारिक घोषणा आज किसी भी वक्त हो सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि आज यानी 17 मई को लॉकडाउन 3.0 की मियाद पूरी हो रही है। आदेश में कहा गया है, लॉकडाउन के आदेशों में चरणबद्ध तरीके से रियायतों को अधिसूचित किया जाएगा। एक अधिकारी ने कहा, लॉकडाउन 3.0 आज खत्म हो गया। लॉकडाउन 4.0 कल से प्रभाव में आएगा और 31 मई तक लागू रहेगा। चौथे चरण में कुछ रियायतें दी जाएंगी। उन्होंने बताया कि और अधिक सेवाओं को शुरू करने के लिहाज से ग्रीन तथा ओरेंज जोन को अधिक रियायतें मिलेंगी। अभी के लिए केवल अनिवार्य सेवाएं चालू हैं। महाराष्ट्र के ऐलान के एक दिन पहले यानी शनिवार को ही पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने कहा कि राज्य में लागू कोविड-19 लॉकडाउन 31 मई तक जारी रहेगा, लेकिन सरकार कर्फ्यू वाली पाबंदियां हटा लेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, 18 मई से राज्य मे कर्फ्यू नहीं होगा। लेकिन लॉकडाउन 31 मई तक जारी रहेगा। उन्होंने संकेत दिया कि 18 मई से कुछ हद तक सार्वजनिक परिवहन भी चलने लगेगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 18 मई से और ढील की घोषणा करेगी, लेकिन साथ ही उन्होंने राज्य में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लोगों की मदद मांगी। अमरिंदर सिंह ने कहा, मैं 18 मई से ज्यादातर दुकानों और छोटे उद्योगों को खोलने की अनुमति दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।

दिल्ली पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी को घर में ही किया डिटेन

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अनिल चौधरी को दिल्ली पुलिस द्वारा रविवार को उनके घर पर ही एहतियातन हिरासत में रखा गया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि वह शनिवार और रविवार को काफी संख्या में प्रवासी श्रमिकों को दिल्ली और यूपी बॉर्डर पर लेकर आए थे। इस दौरान उनके द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन नहीं किया गया, जिससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ज्ञात हो कि शनिवार शाम कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रवासी मजदूरों से मुलाकात करने के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने उन प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक पहुंचाने के लिए अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की मदद ली थी। दिल्ली सरकार ने अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि प्रवासी मजदूर सड़कों या रेल की पटरियों पर पैदल न चलें।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों को पेश आ रही परेशानियों को खत्म करने के लिए अत्यावश्यक कदम उठाने को कहा है। एक आदेश में कहा गया कि अगर प्रवासी कामगार सड़क या रेल पटरी पर पैदल चलते पाए जाते हैं, तो उन्हें तत्काल नजदीक के शेल्टर होम ले जाकर तब तक उनके खाने-पीने की व्यवस्था की जानी चाहिए जब तक विशेष ट्रेन या बस से उनके घर जाने का इंतजाम न हो जाए।

भयंकर तूफान में बदल सकता है अम्फान, 20 मई को पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश के तट से टकराएगा: मंत्रालय

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय ने रविवार को कहा कि चक्रवाती तूफान अम्फान 20 मई को पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा और इसके भयंकर रूप लेने की आशंका है। फिलहाल यह दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी में सक्रिय है। मंत्रालय ने बताया कि चक्रवाती तूफान अम्फान दक्षिण पूर्वी बंगाल की खाड़ी और नजदीकी क्षेत्र से आगे बढ़ रहा है और बीते छह घंटे में छह किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तरपश्चिमी दिशा की ओर जा रहा है। मंत्रालय के एक अधिकारी ने मौसम विज्ञान विभाग के हवाले से बताया कि चक्रवात के अगले छह घंटे में भयंकर तूफान में बदलने की आशंका है। इसके बाद अगले 12 घंटे में यह और भयंकर रूप ले सकता है। सोमवार तक यह उत्तर दिशा की ओर बढ़ेगा और फिर उत्तर-उत्तरपूर्व में उत्तर पश्चिमी बंगाल की खाड़ी की ओर मुड़ जाएगा। एक आधिकारिक आदेश में बताया गया कि चक्रवात के मद्देनजर तैयारियों का जायजा लेने के लिए मंत्रिमंडल सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में शनिवार को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन समिति की बैठक हुई है। बैठक में पश्चिम बंगाल और ओडिशा को तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्र में भारी बारिश, तेज हवाएं और ज्वार-भाटे की आशंका है।

मजबूरी, अस्थिरता, पलायन और मुसीबत के बीच ममता

भोपाल. आज नहीं तो कल कोरोना की भयावहता कम हो जाएगी, लेकिन अपने पीछे बहुत से सवाल छोड़ जाएगी, सवाल कि लॉकडाउन में फंसे मासूमों की परवाह किसी ने क्यों नहीं की, थोपे गए पलायन के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा? अंतहीन सफर में हजारों कदम मंजिल तक पहुंचने से पहले ही क्यों थम गए, क्यों समय से पहले ही बोझ तले दबे मासूम समझदार हो गए। दम तोड़ती माताओं के बच्चों को ममता की छांव क्यों नसीब नहीं हुई, क्यों गरीबी में जीते मजदूरों की किसी ने परवाह नहीं की। जिम्मेदारों ने क्यों इसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं समझा, क्यों लगातार चलने और थकने पर भी रुकने की इच्छा नहीं हुई। बेबसी के आगे क्यों हौसले पस्त पड़ गए, क्यों किसी की इन पर करुणा दृष्टि नहीं पड़ी। जरूरत पर क्यों इन्हें अकेला छोड़ दिया, क्यों अचानक दुनिया में अस्थिरता फैल गई। पलायन का दर्द क्यों झेलना पड़ा, क्यों मुश्किल के दौर में रिश्तों में भी अपनापन नहीं रहा और आखिर क्यों गरीबों पर ये मुसीबत कहर बन कर टूट पड़ी। यूपी के बलरामपुर निवासी बलरामसिंह यादव आठ साथियों के साथ 16-17 मार्च को माउंट आबू घूमने आए थे, लेकिन लॉकडाउन में फंस गए। लगातार पैदल चलने से उसके पैरों में छाले पड़ गए तो अपनी शर्ट को फाड़कर पट्टी बांध ली। अन्य प्रवासी मजदूरों का भी हाल यही है। कई मजदूर जुगाड़ की गाड़ी से ही घर के सफर पर निकल पड़े हैं। लॉकडाउन में घर लौटने वाले प्रवासी मजदूरों पर रोज नई मुसीबत आ रही है। पानीपत के सेक्टर-25 के एक गार्डन में सैकड़ों प्रवासियों को एक दिन पहले ही जमा किया गया था। इस दौरान मच्छर मारने के लिए प्रशासन ने पाइरेथ्रम (कीटनाशक दवा) की फॉगिंग कराई, लेकिन फॉगिंग करने वालों ने मजदूरों को हटाए बिना ही उनके मुंह पर मशीन चला दी।

और बढ़ेगा तापमान

42.40 रहा दिन का तापमान, सीजन की सबसे गर्म रात रही

मई आधा बीत चुका है, इसके साथ ही गर्मी भी अपने तेवर दिखाने लगी है। शनिवार को अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री सेल्यिस दर्ज किया गया। जबकि रात के तापमान में 24 घंटे के दौरान 3 डिग्री का उछाल आया। शुक्रवार की रात सीजन की सबसे गर्म रात रही। राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाएं नमी सोख रही हैं, जिससे गर्मी और बढ़ रही है।

झाबुआ. अब तक आसमान में बादल छा रहे थे, इनके छंटते ही मौसम एक बार फिर से बदलने लगा है। शनिवार सुबह 10 बजे से ही तपन तेज हो गई थी। लॉकडाउन के चलते पहले ही सड़कों पर सन्नाटा है, ऐसे में तेज धूप के बीच कुछेक लोग ही जरूरी काम से बाहर निकले। मौसम विभाग के मुताबिक तापमान अभी और बढ़ सकता है। शनिवार को अधिकतम तापमान 42.4 व न्यूनतम 28 डिसे दर्ज किया गया। जबकि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.5 व न्यूनतम 25 डिसे था। 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 0.9 व न्यूनतम तापमान में 3 डिसे की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ा, सतर्क रहें- बढ़ते तापमान को देखते हुए हीट स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ गया है। आरएमओ एसएस चौहान ने हीट स्ट्रोक से बचाव करने तथा प्राथमिक उपचार के लिए सावधानियां बरतने को कहा है। लोगों को सलाह दी है कि बाहर जाते समय हमेशा सफेद या हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें। भोजन करके एवं पानी पीकर ही बाहर निकलें।

इसलिए बढ़ रही है गर्मी -राजस्थान से आ रही हवाओं के कारण गर्मी बढ़ रही है। इन हवाओं की रफ्तार भी 9 से 10 किमी प्रति घंटा बनी हुई है। तेज धूप व गर्म हवाओं के कारण परेशानी बढ़ गई है। पश्चिमी से आ रही गर्म हवाओं ने नमी को पूरी तरह से सोख लिया है। अगर हवाओं में नमी है तो तापमान 40 डिग्री के दायरे में ही रहता है।

आगे क्या -मौसम वैज्ञानिक डॉ.आरके त्रिपाठी ने बताया अभी गर्मी ऐसी ही पड़ेगी। 17 व 18 मई को अधिकतम तापमान 43 डिग्री पर जा सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24 व 25 डिसे के बीच बना रहेगा। मध्यम बादल भी छा सकते हैं।

टैंकर रॉन्ग साइड जाकर बाइक पर पलटा : नीचे दबे 4 लोगों के शव एक घंटे की मशक्कत के बाद निकाले गए, 2 बच्चियां गंभीर

बड़वानी/ सेंधवा. एबी रोड स्थित बिजासन घाट पर रविवार सुबह 8.15 बजे बड़ा हादसा हुआ। अलसी तेल से भरा टैंकर हाईवे पर रॉन्ग साइड जाकर बाइक पर पलट गया। इससे बाइक सवार महिला, पुरुष और 2 बालिकाओं की दबने से मौत हो गई। जबकि, 2 छोटी बच्चियां गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में टैंकर चालक और क्लीनर भी घायल हुए हैं। पुलिस ने जैसे-तैसे दबी हुई दो बच्चियों, चालक और क्लीनर को अस्पताल पहुंचाया। वहीं, 4 शवों को एक घंटे की मशक्कत के बाद निकाला जा सका। टैंकर और बाइक के बीच में बुरी तरह से महिला और बच्ची दबी हुई थी। एसडीओपो

तरुणेंद्र सिंह बघेल ने बताया सुबह 8.15 बजे इंदौर की ओर से महाराष्ट्र जा रहा टैंकर (आरजे-11-जीए-7727) अनियंत्रित हो गया और रॉन्ग साइड में बाइक से जा रहे 4 बच्चे और महिला पुरुष के ऊपर पलट गया। सूचना मिलने पर टैंकर के नीचे दबी दो बालिकाओं को निकाला गया। उनकी सांसें चलने पर पुलिस वाहन से अस्पताल भेजा गया। वहीं, अंदर दबे हुए महिला, पुरुष और 2 बच्चियों के शवों को निकाला गया। शवों को हाईवे एम्बुलेंस से पीएम के लिए भेजा गया। मरने वालों की पहचान नहीं हो सकी है। वहीं, घायल बच्चियों का सिविल अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। घायल बच्चियों में एक बच्ची 6 साल और एक 6 माह की है।

57 नए मरीज, कुवैत से आए 18 पॉजिटिव मिले 3 की मौत भी: राजधानी में आंकड़ा 1000 पार

भोपाल. शनिवार को राजधानी में कोरोना के सबसे ज्यादा 57 नए पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इनमें जहांगीराबाद के 16 पॉजिटिव और कुवैत से लौटे 18 भारतीय शामिल हैं, जिन्हें सेना के 3-ईएमई सेंटर में हाल ही में क्वारेंटाइन किया गया था। इससे राजधानी में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 962 से बढ़कर 1019 हो गई है। वहीं दूसरी ओर हमीदिया और चिरायु अस्पताल में 3 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत हो गई। इससे भोपाल में कोरोना से मरने वालों की संख्या अब 38 हो गई है।

गांधी मेडिकल कॉलेज डीन एके श्रीवास्तव ने बताया कि कुवैत से लौटे 240 प्रवासी भारतीयों में से 16 की सेहत शनिवार को बिगड़ गई। सेना ने जांच और इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल रेफर किया था। मेडिकल जांच के बाद 10 को अस्पताल के कोविड वार्ड में जांच और इलाज के लिए भर्ती किया है। इससे अस्पताल में भर्ती कोरोना संदिग्ध मरीजों की संख्या 16 हो गई है। गौरतलब है कुवैत से लौटे छह कोरोना संदिग्धों को इलाज के लिए शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती किया गया था। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने अब बुखार, सर्दी, सूखी खांसी, हाथ पैरों में दर्द की शिकायत जैसे लक्षण वाले सामान्य मरीजों को कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाएगा। जबकि, भर्ती रोगियो में सीने में दर्द, हाथ-पैरों में झुनझुनी, अचानक स्किन में नीलापन होना और शरीर के अंगों पर लालपन और कालापन के लक्षण वाले मरीजों को डेडिकेटिड कोविड हॉस्पिटल में रेफर किया जाएगा। यह निर्देश प्रमुख सचिव स्वास्थ्य फैज अहमद किदवई ने सभी कलेक्टर, सीएमएचओ और सिविल सर्जन को दिए हैं। स्वास्थ्य संचालनालय के डिप्टी डायरेक्टर हेल्थ

आई डी एस पी, डॉ. हिमांशु जायसवार ने बताया कि कोरोना के कुछ मरीज, प्रदेश के अलग-अलग अस्पतालों में सामान्य बीमारी के लक्षण लेकर पहुंचे थे। जांच कराने पर, इन मरीजों की जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। इस कारण सरकार ने यह निर्णय लिया है।

45 जिलों में फैला करोना, सात बचे; एक मई से अब तक 12 जिलों को अपनी चपेट में लिया–प्रदेश में अब तक 52 में से 45 जिलों को कोरोना संक्रमण ने अपनी चपेट में ले लिया है। केवल राजगढ़, छतरपुर, कटनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, सिंगरोली और निवाड़ी जिले कोरोना से बचे हैं। शनिवार को उमरिया में पहला संक्रमित मिला। प्रदेश में एक मई को 33 जिलों में कोरोना संक्रमित पाए गए थे। 16 दिन में यह 12 जिलों में और फैल गया। हाल में जिन नए जिलों में कोरोना संक्रमित मिले हैं उनमें उमरिया, दमोह, सिवनी, पन्ना, मंडला, गुना, डिंडोरी, अशोक नगर, बैतूल आदि जिले शामिल हैं।

बाल संप्रेक्षण गृह में युवक से 6 लड़कों ने सामूहिक कुकर्म किया, सभी मारपीट समेत अन्य मामलों में सजा काट रहे

रायपुर. यहां बाल संप्रेक्षण गृह में बंद एक युवक से 6 युवकों ने सामूहिक कुकर्म किया। पीड़ित युवक दुष्कर्म के मामले में वहां बंद है। अन्य आरोपी भी मारपीट समेत अन्य मामलों में डेढ़ साल से सजा काट रहे हैं। संप्रेक्षण गृह प्रबंधन ने घटना की पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित और आरोपी अब बालिग हो चुके हैं। फिलहाल, पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर कोर्ट से अनुमति मांगी है। जानकारी के मुताबिक, माना थाना स्थित बाल संप्रेक्षण गृह में कुछ किशोरों को मारपीट और अन्य मामलों में सजा हुई थी। इन्हीं में एक युवक दुष्कर्म के मामले में बंद है। इस युवक को करीब डेढ़ माह से 6 युवक लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान कर रहे थे। आरोपी उसके कपड़े उतरवा लेते और अभद्रता करते। साथ ही

कुकर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। मामला सामने आने के बाद संप्रेक्षण गृह के अधीक्षक की ओर से माना थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। आरोपियों पर धारा 377 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि सभी पहले से ही संप्रेक्षण गृह में सजा काट रहे हैं। ऐसे में उनके खिलाफ नए सिरे से कार्रवाई करने और गिरफ्तारी के लिए कोर्ट की अनुमति चाहिए। इसको लेकर प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

इंदौर में 53 दिन में कोरोना से 100 की मौत

जान गंवाने वालों में अधिकतर 50 से 80 वर्ष के बुजुर्ग

इंदौर. शनिवार को कोरोना संक्रमित एक मरीज के दम तोड़ने के साथ ही इंदौर में मौत का आंकड़ा 100 पर पहुंच गया। सिर्फ 53 दिन के कोरोनाकाल में इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान जाने का शहर के इतिहास में 109 साल बाद यह दूसरा मौका है। इससे पहले 1901 से 1911 के बीच महामारी के कारण 22 हजार मौतें हुई थीं। ऐसा भी पहली बार हुआ, जब 2182 सैंपल की जांच हुई। इसमें 92 नए मरीज मिले, जबकि 2090 की रिपोर्ट निगेटिव आई। 25 मार्च को उज्जैन निवासी 65 वर्षीय महिला की एमवाय अस्पताल में संक्रमण के चलते मौत हो गई थी। यह इंदौर समेत मध्य प्रदेश में कोरोना से पहली मौत थी। जान गंवाने वालों में अधिकतर 50 से 80 वर्ष के बीच हैं और औसत आयु 57 वर्ष है। मृत्य के मामले में इंदौर मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, कोलकाता, दिल्ली के बाद 6वें नंबर पर है। प्रदेश में शुरुआत की 50 मौतें 24 दिनों में हुई। जबकि 100 का आंकड़ा मात्र 8 दिन में पहुंच गया था। अब तक प्रदेश में 195 संक्रमित अपनी जान गवां चुके हैं।

25 मार्च को पहली और 18 अप्रैल को हुई थी प्रदेश में 50वीं मौत–उज्जैन निवासी 65

वर्षीय महिला की 25 मार्च को एमवाय अस्पताल में संक्रमण के चलते मौत हुई थी। यह मध्य प्रदेश में कोरोना से पहली मौत थी। संक्रमित महिला के परिवार में ही 5 लोग संक्रमित पाए गए थे। इसमें महिला का पति, बेटा, पोता-पोती भी शामिल थे। वहीं, 18 अप्रैल को प्रदेश में 50वीं मौत कोरोना संक्रमित जूनी इंदौर थाना प्रभारी की कोरोना से लड़ते हुए मौत हो गई थी।

शहर में दो डॉक्टरों की भी कोरोना से जान गई–9 अप्रैल को कोरोना संक्रमण से इंदौर में रहने वाले 62 वर्षीय डॉ. शत्रुघ्न पंजवानी की मौत हो गई थी। वे प्राइवेट प्रैक्टिस करते थे। इसके अगले ही दिन पूर्व जिला आयुष अधिकारी डॉ. ओमप्रकाश चौहान (62) की भी मौत हो गई। चौहान कुछ समय से बीमार थे और अरबिंदो अस्पताल में उनका उपचार चल रहा था। इसके अलावा 7 अप्रैल को इटारसी के देशबंधुपुरा स्थित वेंकटेश क्लीनिक के संचालक 69 वर्षीय डॉ. एनएल हेड़ा की कोरोना पॉजीटिव रिपोर्ट आई थी। भोपाल में इलाज के दौरान 25 अप्रैल को उनकी मौत हो गई थी।

कोरोना संक्रमित दो पुलिस अधिकारियों ने दम तोड़ा–जूनी इंदौर थाना प्रभारी 45 वर्षीय देवेंद्र चंद्रवंशी की 18 अप्रैल को मौत हो गई थी। 19 दिनों तक अरविंदो अस्पताल में चले इलाज के बाद उन्होंने आखिरी सांस ली थी। चंद्रवंशी की पहली कोरोना रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बाद में 13 और 15 अप्रैल की रिपोर्ट निगेटिव आई। वहीं, उज्जैन के नीलगंगा थाना टीआई यशवंत पाल (59) की 21 अप्रैल को कोरोना से इंदौर में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

16 अप्रैल को इंदौर में ही एक दिन में सबसे ज्यादा 8 मौतों की पुष्टि–कोरोना संक्रमण से पॉजिटिव मरीजों की संख्या में 16 अप्रैल को सबसे बड़ा आंकड़ा सामने आया था। दिल्ली और एमजीएम मेडिकल कॉलेज के सैंपल की रिपोर्ट में 244 नए मरीज मिले। वहीं, 8 लोगों की मृत्यु भी हुई थी। इसमें सराफा बाजार के दो व्यापारी भाई शामिल थे।

बेगूसराय में चुनावी रंजिश में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, 2 की हालत गंभीर

बेगूसराय. बिहार के बेगूसराय जिले में अपराधियों ने भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या कर दी। फायरिंग में दो और लोगों को गोली लगी है जिनकी हालत गंभीर बताई गई है। दोनों को निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के कैथमा इलाके की है। मृतक धीरज भारद्वाज भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला महामंत्री थे। भाजयुमो नेता धीरज भारद्वाज रविवार सुबह घर के बाहर खड़े होकर किसी से बात कर रहे थे। इसी दौरान बाइक पर आए तीन नकाबपोश अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। धीरज को पांच गोली लगी जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके साथी को भी दो गोली लगी है। फायरिंग के दौरान वहां से दूध लेकर जा रहे एक युवक को भी गोली लग गई। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों अपराधी पिस्टल लहराते हुए मौके से भाग निकले।

नेशनल बॉस्केटबॉल एकेडमी के सचिव की कोरोना से मौत

जूना रिसाला में 13 और गोमा की फेल में 12 नए मरीज मिले

इंदौर. शहर में कोरोनावायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 2500 के आंकड़े की तरफ तेजी से बढ़ रही है। कोरोना संक्रमण से नेशनल बास्केटबॉल एकेडमी के सचिव की

मौत हो गई है। वहीं, शनिवार रात आई रिपोर्ट में 92 नए मरीज मिलने से इस बीमारी से प्रभावितों की संख्या 2470 पर पहुंच गई है। ताजा रिपोर्ट में जूना रिसाला में 13 तो गोमा की फेल में 12 मरीजों में कोरोनावायरस की पुष्टि हुई है। अब तक 100 लोग इस बीमारी से दम तोड़ चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मूसाखेड़ी क्षेत्र के चंद्रशेखर नगर में 5 और भील कॉलोनी के 3 व्यक्तियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके अलावा कोरोना का हॉटस्पॉट बन चुके नेहरू नगर में चार लोगों में इस संक्रमण की पुष्टि की गई है। आजाद नगर में भी कोरोना के 6 नए मरीज पाए गए हैं। मरीमाता और बाणगंगा के बीच स्थित कुम्हारखाड़ी में कोरोना के 10 नए मरीज पाए गए हैं। एक दिन पहले ही यहां 5 व्यक्तियों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। छावनी क्षेत्र के मुराई मोहल्ला में 3 और सदर बाजार क्षेत्र से लगे हुए मराठी मोहल्ले में कोरोनावायरस के 4 नए मरीज पाए गए हैं।

पूर्व राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी की कोरोना से मौत–पूर्व राष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाड़ी और नेशनल बास्केटबॉल एकेडमी (एनबीए) के सचिव भूपेंद्र बंडी (72) का शनिवार को कोरोना से निधन हो गया। बंडी 12 मई को संक्रमित पाए गए थे तभी से चोइथराम अस्पताल में भर्ती थे। इंदौर और मप्र में बास्केटबॉल को ऊंचाइयां देने में बंडी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इंदौर स्थित बास्केटबॉल ट्रस्ट के अनुसार राष्ट्रीय खिलाड़ी रहे बंडी ने 1983 में रेसकोर्स रोड पर जमीन लेने के लिए संघर्ष किया था। सरकार द्वारा जमीन देने के बाद देश का पहला सर्वसुविधायुक्त इनडोर बास्केटबॉल स्टेडियम तैयार करवाने में भी योगदान दिया। मप्र हाई कोर्ट में आगामी 30 मई तक भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ही मामलों की सुनवाई होगी।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन वानखेड़े स्टेडियम को क्वारैंटाइन सेंटर के तौर पर तैयार कर रहा है

महाराष्ट्र में 24 घंटे में 49 की मौत, अब तक 22 प्रतिशत मरीज ठीक हुए, मुंबई में बना देश का पहला एक हजार बेड का ओपन हॉस्पिटल

मुंबई ■ एजेंसी

24 घंटे में 1,576 नए मामले सामने आए। अब संक्रमितों की कुल संख्या 29,100 हो गई। 24 घंटे में 49 की मौत हुई। अब मृतकों की कुल संख्या 1,068 हो गई है। 49 में से 36 की मौत मुंबई में हुई। 1,576 नए मामलों में से 933 मुंबई के हैं। यहां कुल 17 हजार 512 मामले हो गए हैं। राज्य में अब तक 2 लाख 50 हजार 436 लोगों की जांच की जा चुकी है।

महाराष्ट्र में रिकवरी रेट 22 प्रतिशत पहुंच चुका है। मुंबई में यह 25 फीसदी है। मुंबई में हर चौथा मरीज ठीक हो रहा है। राज्य में 14 मई तक 27,524 केस सामने आए। इलाज के बाद इनमें से 6,059 मरीज ठीक होकर घर गए। मुंबई से सटे उपनगरों में मीरा-भाईंदर का रिकवरी रेट सबसे बेहतर 60 फीसदी है। उल्हासनगर में 81 में से सिर्फ 11 मरीज ठीक हुए।

देश का पहला ओपन हॉस्पिटल तैयार

मुंबई के पश्चिमी उपनगर बांद्रा में एमएमआरडीए मैदान में देश का पहला ओपन हॉस्पिटल तैयार हो गया है। 1008 बेड वाले इस ओपन हॉस्पिटल में मरीजों के रहने, ऑक्सीजन और जांच की सुविधाएं हैं। हॉस्पिटल में नॉन क्रिटिकल संक्रमितों का इलाज होगा।

वानखेड़े स्टेडियम बनेगा क्वारैंटाइन सेंटर

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन वानखेड़े स्टेडियम को क्वारैंटाइन सेंटर के तौर पर तैयार कर रहा है। बीएमसी से मिले लेटर के बाद एमसीए अधिकारी मंजूरी देने जा रहे हैं। बीएमसी उपायुक्त हर्षद काले ने बताया कि स्टेडियम में 800 बेड्स का क्वारैंटाइन सेंटर बनाया जाएगा। यहां ऑक्सीजन और अन्य मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

पुलिस पर हमला, 250 बसों को बनाया जाएगा एम्बुलेंस

जोन 4 के अंटॉप हिल पुलिस थाने के तहत मास्क लगाने को कहने पर स्थानीय लोगों ने 4 पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला कर दिया। इनमें एक पीएसआई और एसआरपीएफ के दो जवान भी हैं। सभी को स्थानीय गैलेक्सी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। दो आरोपियों वसीम अहमद (22) और मो. अफजल खान (32) को गिरफ्तार कर लिया गया है। मरीजों को हॉस्पिटल और हाई रिस्क कॉन्टैक्ट वालों को क्वारैंटाइन सेंटर ले जाने के लिए एम्बुलेंस की कमी दूर करने के लिए बीएमसी ने 250 बसों को एम्बुलेंस बनाने का फैसला किया है। इनमें 50 बेस्ट बसें और 200 मिनी बसें शामिल हैं। इनमें से आधी एम्बुलेंस बनकर तैयार हैं।

सीने में दर्द के बाद सड़क पर तीन घंटे तड़पता रहा बुजुर्ग, फिर दम तोड़ा

पुणे में एक बुजुर्ग के सीने में दर्द उठा। वो तीन घंटे सड़क पर तड़पते रहे। जिस इलाके में वो मौजूद थे, वो हॉटस्पॉट था। बैरिकेडिंग की वजह से एम्बुलेंस नहीं पहुंच सकी। आखिरकार उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना शहर के नाना पेठ इलाके की है। इसकी जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर धवले ने सोशल मीडिया पर दी। सुधीर के मुताबिक, नाना पेठ कोरोना हॉटस्पॉट एरिया है। इसलिए एम्बुलेंस वाले भी यहां आने से डर रह थे। ऑटो रिक्शावाला भी इस 57 साल के बुजुर्ग को हॉस्पिटल ले जाने तैयार नहीं हुए। बाद में एक टैम्पो वाला तैयार हुआ। लेकिन, तब तक सब खत्म हो चुका था। बुजुर्ग की मौत हो चुकी थी। सुधीर के मुताबिक, मृतक का नाम यशोदास मोती फ्रांसिस है। रात तीन बजे किसी तरह उनकी पत्नी, बेटा और बहन ने एक टैम्पो वाले को मनाया। वो यशोदास को लेकर ससून हॉस्पिटल पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक, फ्रांसिस की मौत हॉस्पिटल लाए जाने से पहले ही हो चुकी थी। घटना का वीडियो भी सामने आया। इसमें फ्रांसिस कुर्सी पर बैठे नजर आते हैं। परिवार का आरोप है कि उन्होंने कई बार हॉस्पिट और एम्बुलेंस सेवा को फोन किए। लेकिन, कई उनकी मदद को आगे नहीं आया।

शराब की ऑनलाइन डिलीवरी: 12 घंटे में मिले 5434 ऑर्डर

15 मई से पूरे राज्य में शराब की ऑनलाइन होम डिलीवरी शुरू कर दी गई है। आबकारी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सिर्फ 12 घंटे के अंदर 5,434 ऑर्डर ऑनलाइन लिए गए। इसमें सबसे ज्यादा 88 प्रतिशत ऑर्डर नागपुर और लातूर जिले से मिले हैं।

कम हुए ऑनलाइन ऑर्डर

राज्य के आबकारी आयुक्त कांतिलाल उमाप की ओर से बताया गया कि राज्य के 36 जिलों में से 26 में शराब की रीटेल बिक्री चल रही है। इस वजह से भी ऑनलाइन ऑर्डर में कमी देखी गई। जबकि, नागपुर में 2,700 और लातूर में 2,100 ऑर्डर लिए गए। इनमें से लगभग 95 फीसदी ऑर्डर हार्ड लिकर की खरीद के लिए थे।

शराब की 5 हजार दुकाने खुलीं

आबकारी विभाग को उम्मीद है कि मुंबई में भी शराब की दुकानें जल्द ही बिक्री के लिए खोल दी जाएंगी। आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार शाम तक राज्य में 4,935 शराब की दुकानें खुली हैं। इनमें से 530 शराब की दुकानें, 2129 बीयर की दुकानें और 1,938 देशी शराब की दुकानें हैं।

ई-टोकन के जरिए खरीद सकते हैं

कोरोना संक्रमण काल के बीच आबकारी विभाग ने एक गाइडलाइन जारी कर कहा है कि शराब की दुकानों पर भीड़ कम करने के लिए प्रयोग के तौर पर ऑनलाइन टोकन व्यवस्था की शुरूआत भी की गई है। नई प्रणाली के तहत राज्य के आबकारी विभाग की वेबसाइट पर लोग खुद को पंजीकृत करने के बाद टोकन हासिल करेंगे और फिर शराब खरीदने दुकान पर जा सकते हैं। इस व्यवस्था की शुरूआत पुणे में होगी और अगर यह यहां सफल होता है तो इसे राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में लागू किया जाएगा।

राजस्थान में 4924 मामले, 2785 लोग संक्रमण से रिकवर हुए, 2480 को किया जा चुका डिस्चार्ज

- प्रदेश में संक्रमण के सबसे ज्यादा केस जयपुर में हैं, यहां 1509 (2 इटली के नागरिक) संक्रमित
- लॉकडाउन के बाद जवाहर नवोदय व केंद्रीय विद्यालय के साथ-साथ विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति होगी

जयपुर। राजस्थान में कोरोनावायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। शनिवार को 177 नए पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें सबसे चौकाने वाल आंकड़ा जयपुर जिला जेल से सामने आया। जहां 116 कैदी संक्रमित पाए गए। जिसके साथ जयपुर में कुल 122 नए संक्रमित मिले। साथ ही डूंगरपुर में 21, उदयपुर में 9, जोधपुर और भीलवाड़ा में 6-6, अजमेर में 4, सिरोही में 2, चित्तौड़गढ़, बाड़मेर, पाली, सीकर, कोटा, झुंझुनू और भरतपुर में 1-1 संक्रमित मिला। जिसके बाद संक्रमितों का कुल आंकड़ा 4924 पर पहुंच गया। इनमें कुल 2785 लोग रिकवर भी हो चुके हैं। जिसमें से 2480 को डिस्चार्ज किया जा चुका है। अब राज्य में सिर्फ 2014 एक्टिव केस ही बचे हैं। इससे पहले शुक्रवार को 213 नए पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें कोटा में 48, उदयपुर में 38, जयपुर में 23, पाली में 13, जोधपुर में 31, चित्तौड़गढ़ में 9, सीकर में 7, जैसलमेर में 6, अजमेर में 5, जालौर में 5, दौसा में 4, राजसमंद में 3, नागौर, हनुमानगढ़ और चूरू में 2-2, झालावाड़, बीकानेर, बाड़मेर, झुंझुनू, करौली, डूंगरपुर, बारां, भरतपुर में 1-1 संक्रमित मिला। साथ ही बीएसएफ के 6 जवान भी संक्रमित मिले।

घर वापसी का इंतजार और बढ़ेगा, स्पेशल ट्रेनों में निर्धारित से दस गुना तक अधिक वेटिंग

नई दिल्ली। देशभर में चल रहीं 30 स्पेशल ट्रेनों के लिए वेटिंग टिकट मिलना शुरू हो गया। लेकिन आईआरसीटीसी ने निर्धारित वेटिंग से 10 गुना अधिक तक वेटिंग टिकट बुक किए। फिलहाल केवल ऑनलाइन टिकट ही बुक हो रहे हैं और आईआरसीटीसी हर टिकट पर 30 रुपए सर्विस चार्ज भी ले रहा है। आईआरसीटीसी का कहना है कि बुकिंग के दौरान वेटिंग तय सीमा को पार कर जाता है और पैसा कट जाता है, इसलिए वेटिंग टिकट देना पड़ रहा है। रेलवे बोर्ड के अधिकारी का कहना है कि पहले दिन यह समस्या आई है, समाधान निकाल रहे हैं।

स्पेशल ट्रेनें चलाने की घोषणा के समय यह भी फैसला लिया गया था कि ट्रेनों में वेटिंग नहीं होगी, लेकिन अब यह बात सामने आई कि कुछ लोग रिजर्वेशन के बाद टिकट कैंसिल करवा रहे हैं और सीटें खाली जाती हैं। इसके बाद यह तय किया गया कि 15 मई से होने वाले रिजर्वेशन (22 मई को चलने वाली ट्रेन के लिए) में सभी श्रेणियों में निर्धारित वेटिंग होंगी।

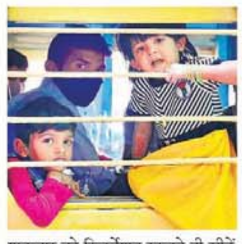

शुक्रवार को रिजर्वेशन खुलते ही सीटें फुल होकर रिग्रेट हो गईं और कुछ ट्रेनों में रिजर्वेशन मानक से अधिक पहुंचा।

नियम- ट्रांजेक्शन हुआ है तो टिकट जरूर दिया जाएगा

आईआरसीटीसी के पीआरओ सिद्धार्थ सिंह ने बताया कि जब लोग टिकट बुक करते हैं तो सीटें होती हैं। ट्रांजेक्शन के दौरान सीटें फुल हो जाती हैं। रेलवे बोर्ड का नियम है कि ट्रांजेक्शन हुआ है तो टिकट जरूर दिया जाएगा। इसलिए टिकट स्वतः जनरेट हो जाता है और वेटिंग निर्धारित सीमा से अधिक पहुंच रहा है।

ट्रेन में चढ़ने के लिए भी सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी

मेट्रो स्टेशन परिसर में बिना मास्क एंट्री बैन रहेगी, सबकी थर्मल स्कैनिंग होगी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार से लॉकडाउन 4.0 में सोमवार 18 मई से मेट्रो रेल और बस परिचालन को हरी झंडी मिलती है तो दिल्ली मेट्रो रेल और डीटीसी व क्लस्टर बसों में नगद भुगतान करके यात्रा नहीं कर सकेंगे। खड़े होकर यात्रा करना भी दोनो सिस्टम में प्रतिबंधित रहेगा। मेट्रो में सिर्फ स्मार्टकार्ड से ही किराया भुगतान कर सकेंगे और टोकन की बिक्री बंद रहेगी और बसों में भी स्मार्टकार्ड भुगतान या पेटीएम सहित कुछ अन्य ऑनलाइन भुगतान की सुविधा से यात्रा मिलेगी। शुरूआत मेट्रो की सर्विस भी लिमिटेड सेवा से होगी जिसमें दिल्ली के कंटेनमेंट जोन के नजदीकी या बीचो बीच वाले स्टेशन पर ट्रेन नहीं रुकेगी और फ्रीक्वेंसी भी कम रहेगी। इतना ही नहीं मेट्रो स्टेशन में उतने ही यात्रियों को प्रवेश दिया जाएगा जितने लोग ट्रेन में सोशल डिस्टेंसिंग के साथ सवार हो सकें, बाकी को बाहर रुकना होगा। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि मेट्रो ट्रेन सभी स्टेशनों पर नहीं रुकेगी क्योंकि जहां से सर्विस चलेगी, वहां यात्रियों की हैंडलिंग के लिए अधिक लोग चाहिए।

बसें लिमिटेड रूट पर चलेंगी, बस स्टैंड पर मार्शल करेंगे स्कैनिंग

डीटीसी व क्लस्टर की बसें शुरूआत में लिमिटेड रूट पर चलेंगी। उन रूट की पहचान करके अधिक सवारी वाले बस स्टैंड पर सोशल डिस्टेंसिंग मार्किंग की जाएगी। इन बस शेल्टर पर मार्शल रहेंगे जो बस में चढ़ने के पहले यात्रियों की थर्मल स्कैनिंग करेंगे और लाइन लगवाएंगे। बस में 17-20 यात्री सवारी करेंगे। बस में तैनात कंडक्टर यात्री का सैनिटाइजर से हाथ धुलवाएंगे। बस में एकमुश्त ऑनलाइन भुगतान करके पास की सुविधा भी शुरू की जा सकती है।

सरकार ने बॉर्डर के दो थानाध्यक्षों को किया निलंबित

औरेया बस हादसा: प्रियंका गांधी, मायावती व अखिलेश यादव का योगी सरकार पर निशाना

लखनऊ ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में शनिवार सुबह हुए सड़क हादसे में 24 मजदूरों की मौत हो गई। 36 लोग घायल हो गए। भीषण सड़क हादसे को लेकर राजनीतिक दलों के बयानबाजी भी शुरू हो गई है। एक ओर जहां राजनेता इस घटना पर दुख जता रहे हैं वहीं उत्तर प्रदेश सरकार को इस घटना के लिए दोषी भी ठहरा रहे हैं। हादसे को लेकर यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव, पूर्व सीएम मायावती और कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने भी ट्विट कर यूपी की योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। औरैया हादसे की समीक्षा करते हुए सीएम योगी ने आदेश दिया है कि बॉर्डर के दोनों थानाध्यक्ष को तत्काल निलंबित किया जाए।

अखिलेश ने मृतकों के परिजनों को मुआवजे का भी एलान किया

अखिलेश यादव ने इस घटना के बाद अपने ट्वीट में कहा, उप्र के औरैया में सड़क हादसे में 24 से भी अधिक गरीब प्रवासी मजदूरों की मौत पर मुझे अवर्णनीय दुख है। मैं घायलों के लिए दुआएं करता हूं। सबकुछ जानकर... सब कुछ देखकर भी... मौन धारण करने वाले हृदयहीन लोग और उनके समर्थक देखें कब तक इस उपेक्षा को उचित ठहराते हैं। ऐसे हादसे मृत्यु नहीं हत्या हैं। अखिलेश यादव ने औरैया हादसे में मारे गए मजदूरों के परिजनों को एक-एक लाख रुपए देने की घोषणा भी की है। उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में शनिवार तड़के 3:30 बजे हाईवे पर एक ट्रक ने दूसरे ट्रक को टक्कर मार दी। इसमें 24 मजदूरों की मौत हो गई। कानपुर रेंज के आईजी मोहित अग्रवाल ने बताया है कि 35 लोग जख्मी हुए हैं।

प्रियंका गांधी ने उठाया सवाल

प्रियंका ने ट्वीट कर लिखा, औरैया की हृदय विदारक घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न उपस्थित कर दिया है कि आखिर सरकार क्या सोचकर इन मजदूरों के घर जाने की समुचित व्यवस्था नही कर रही है? प्रदेश के अंदर मजदूरों को ले जाने के लिए बसें क्यों नहीं चलाई जा रही हैं?

पूर्व सीएम मायावती ने व्यवस्था पर खड़े किए सवाल

औरैया में हुए हादसे को लेकर घटना को लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि कल ही मुख्यमंत्री ने यूपी में आने या राज्य से गुजरने वाले मजदूरों के भोजन, आने-जाने और ठहरने की उचित व्यवस्था के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अधिकारियों द्वारा सीएम के निदेशों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है, जिसके कारण औरैया में बड़ा हादसा हुआ। मैं मुख्यमंत्री से उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करती हूं, जिन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं किया। इस दुर्घटना में मृत और घायल हुए लोगों के परिवारों को आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं।

अब तक 47.19 लाख संक्रमित: ट्रम्प ने कहा- डब्ल्यूएचओ और यूएन में

अमेरिका या किसी अन्य की तुलना में चीन को ज्यादा सहूलियतें क्यों?

वॉशिंगटन. दुनिया में कोरोनावायरस से अब तक 47 लाख 19 हजार 812 लोग संक्रमित हो चुके हैं। 18 लाख 11 हजार 611 ठीक हुए हैं। वहीं, मौतों का आंकड़ा 3 लाख 13 हजार 215 हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को ट्वीट किया- चीन की जनसंख्या हमसे ज्यादा होने के बावजूद भी वह डब्ल्यूएचओ, संयुक्त राष्ट्र और सबसे बुरी बात विश्व व्यापार संगठन को इतनी कम रकम क्यों देता है। यहां उन्हें कथित तौर पर विकासशील देश माना जाता है। उन्हें अमेरिका या किसी अन्य की तुलना में ज्यादा सहूलियतें दी जाती हैं। चीन से फैले इस महामारी से पहले हमारी अर्थव्यवस्था सबको पीछे छोड़ रही थी। हम किसी भी देश के मुकाबले अच्छे थे। हम एक बार फिर वहां होंगे और जल्दी होंगे।

इजराइल में फंसे भारतीय अपने देश लौटने को उत्साहित-इजराइल में फंसे भारतीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है। दरअसल, वंदे भारत मिशन के तहते 25 मई को एयर इंडिया का विमान उन्हें लाने के लिए भेजा जाएगा। भारत सरकार 7 मई से ही इस मिशन के तहत अलग-अलग देशों में फंसे अपने लोगों को निकाल रही है। पहले फेज में ब्रिटेन, अमेरिका, बांग्लादेश जैसे कई देशों से 6527 लोगों को निकाला गया है। एयर इंडिया के अधिकारी ने बताया कि हम भारत में फंसे इजराइल के नागरिकों से भी वापस जाने का आग्रह करेंगे।

अमेरिका- एक दिन में 1237 जान गई

अमेरिका में 24 घंटे में 1237 लोगों की मौत हुई है। यहां मरने वालों की संख्या 90 हजार 113 हो गई है, जबकि संक्रमण के 15 लाख से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। वहीं, सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य न्यूयॉर्क में शनिवार को 157 लोगों की मौत हुई है। छह दिनों से यहां मौतों की संख्या 200 के नीचे है। राज्य में अब तक 28 हजार लोगों की जान जा चुकी है।

मंत्रिमंडल का शीघ्र होगा विस्तार, सीएम शिवराज ने दिए संकेत...

असन्तुष्ट, बगावत, भीतरघात रोकने के लिए नेताओं को निगम मंडलो में मिलेगी जगह

केशब पडित जी अम्बाह

भोपाल/मुरैना। मध्यप्रदेश में शिवराज मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें एक बार फिर तेज़ हो गई है। सीएम शिवराज सिंह ने कहा कि वे इस संबंध में लगातार पार्टी आलाकमान के संपर्क में हैं। केंद्रीय नेतृत्व व प्रदेश संगठन से चर्चा के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जा सकता है। लॉकडाउन 3 खत्म होने के बाद मंत्रिमंडल का स्वरूप बड़ा हो जाएगा। मंत्रिमंडल का विस्तार करने के लिए सीएम ने हाईकमान व प्रदेश संगठन से चर्चा हुई है और सिंधिया समर्थक के साथ-साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता तथा तीन बार बार जीते हुए विधायक भी मंत्री बनने की कतार में है। सीएम असमंजस में है, किसको मंत्रिमंडल में स्थान दे और किसको नहीं जगह सीमित हैं। मंत्री न बनाये जाने से कुछ वरिष्ठ नेता नाराज व असन्तुष्ट हो सकते हैं। कई नामों पर पेंच फंसा हुआ है और प्रदेश के सभी क्षेत्रों मालवा, चम्बल, विंध्य को स्थान देना हैं। क्षेत्रीय संतुलन बनाने में भी परेशानी आ रही है।

मंत्रिमंडल विस्तार के साथ-साथ निगम मंडलो में भी होगी नियुक्ति-मंत्रिमंडल विस्तार के तत्काल बाद निगम मंडलो में नियुक्तियां की जायेगी। असन्तुष्ट नेताओं को निगम मंडल में स्थान देकर संतुष्ट किया जायेगा। भाजपा आलाकमान उपचुनाव के पूर्व सर्वे करवा रही है और जीतने वाले उम्मीदवारों को ही टिकिट दिया जायेगा। सिंधिया समर्थक सभी 22 पूर्व विधायक को टिकिट देना मुमकिन नहीं है। उपचुनाव के टिकिट से वंचित रहे नेताओं को निगम मंडल में राज्य मंत्री स्थान देकर उन्हें संतुष्ट किया जायेगा। जिससे पार्टी में असन्तुष्ट व बगावत के स्वरों को रोका जा सके। शिवराज ने ये भी संकेत दिए कि मध्यप्रदेश में लॉकडाउन में इस बार थोड़ी नरमी बरती जा सकती है। सरकार का सारा ध्यान और प्रयास कोरोना की चेन तोड़ने पर है। इसके लिए जो भी जरूरी कदम होगा, वह उठाया जाएगा। उन्होंने कहा मेरे चौथे कार्यकाल का ये सबसे चुनौतीपूर्ण समय है। कोरोना संकट के बीच 23 मार्च को प्रदेश की चौथी बार कमान संभालने वाले शिवराज सिंह ने करीब 29 दिन तक अकेले ही सरकार चलाई थी। पिछले महीने मंत्रिमंडल गठन में सिर्फ 5 मंत्रियों को ही जगह दी गई है। मंत्रिमंडल का अब विस्तार होना है।

मंत्री समूह ने 6 माह के निर्णयों की समीक्षा के लिये रिकार्ड तलब किये-इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने माना कि मुख्यमंत्री के रूप में उनका ये चौथा कार्यकाल अब तक का सबसे ज्यादा चुनौतीपूर्ण है। कोरोना संकट के बीच राज्य की कमान संभालने के एक घंटे के भीतर ही काम शुरू कर दिया था। ये अलग तरह की चुनौती है। कोरोना के सामने हाथ-पैर बंधे हुए हैं।

इंदौर जाना चाहता हूँ-उन्होंने बताया कि मैं इंदौर जाना चाहता हूं, लेकिन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें ऐसा करने से मना किया। ये कहा गया कि जहां हूं वही से काम करूं। संकट के समय अगर प्रदेश के लिए बेहतर काम कर पाया तो ये मेरे लिए धन्य हो जाने जैसा होगा।

डब्ल्यूएचओ ने कहा- खुली जगहों पर डिसइन्फेक्टेंट छिड़कने से वायरस नहीं मरता, ऐसा करना लोगों की सेहत के लिए खतरनाक

डब्ल्यूएचओ ने बताया कि गलियों और बाजारों में डिसइन्फेक्टेंट के स्प्रे या फ्यूमिगेशन से फायदा इसलिए नहीं होता, क्योंकि धूल और गंदगी की वजह से वह निष्क्रिय हो जाता है। यह भी जरूरी नहीं कि केमिकल स्प्रे से सभी सतह कवर हो जाएं और इसका असर उतनी देर रह पाए जितना रोगाणु को खत्म करने के लिए जरूरी होता है।

सीधे किसी व्यक्ति पर स्प्रे करने से गंभीर बीमारियां हो सकती हैं-डब्ल्यूएचओ का कहना है कि किसी व्यक्ति पर डिसइन्फेक्टेंट का स्प्रे किसी भी सूरत में नहीं करना चाहिए। इससे शारीरिक और मानसिक नुकसान हो सकते हैं। ऐसा करने से संक्रमित व्यक्ति के जरिए वायरस फैलने का खतरा भी कम नहीं होता। क्लोरीन और दूसरे जहरीले केमिकल से लोगों को आंखों और स्किन से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। सांस लेने में दिक्कत और पेट-आंत से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती हैं।

डिसइन्फेक्टेंट में भीगे कपड़े से सफाई करनी चाहिए-इनडोर एरिया में भी स्प्रे और फ्यूमिगेशन सीधे नहीं करना चाहिए, बल्कि इसमें कपड़े या वाइप को भिगोकर सफाई करनी चाहिए। कोरोनावायरस अलग-अलग वस्तुओं और कामकाज वाली जगहों की सतह पर हो सकता है। यह किस सतह पर कितनी देर टिक सकता है, इस बारे में सटीक जानकारी नहीं है।

कोरोना के 8 वैक्सीन का ट्रायल जारी-कोरोनावायरस के वैक्सीन पर दुनियाभर में काम चल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले दिनों कहा था कि इस साल के आखिर तक हम कोरोना का वैक्सीन तैयार कर लेंगे। चीन के स्वास्थ्य अधिकारी झांग वेनहॉन्ग ने शनिवार को कहा कि अगले साल मार्च तक वैक्सीन आ सकता है।

सम्पादकीय

साथ-साथ चलेगा कोरोना

लॉकडाउन के तीन चरण पूरे कर लेने के बाद देश इसके चौथे चरण के लिए कमर कस रहा है। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई तमाम मोर्चों पर पूरी शिद्दत के साथ जारी है। भारत में संक्रमण का पता लगाने के लिए किए गए टेस्ट्स की संख्या 20 लाख को पार कर गई है। संसाधनों की सीमा को देखते हुए माना जा रहा था कि यह लक्ष्य मई के अंत तक ही हासिल हो पाएगा। मगर सरकारी और गैर-सरकारी लैब्स में कोरोना वॉरियर्स के दिन-रात लगे रहने का परिणाम है कि यह टारगेट दो सप्ताह पहले ही हासिल कर लिया गया। हमारे यहां कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या अमेरिका और यूरोप से काफी कम है, लेकिन संक्रमण फैलने की गति लगभग वैसी ही है। कुल संक्रमितों की संख्या के मामले में भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन हमारा पड़ोसी देश है और उसके साथ भारत की तुलना बात-बात पर होती है, लेकिन महामारी से निपटने के दोनों देशों के तरीके बिल्कुल अलग रहे हैं। चीन में इस वायरस का प्रकोप मुख्यतः उसके एक शहर वूहान तक सीमित रहा मगर भारत में इसकी शुरुआत पूरे देश के पैमाने पर हुई। यूरोपीय देशों में इससे संक्रमित बिना लक्षणों वाले मरीज भारत के अलग-अलग शहरों में तब आए जब वहां भी इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था। भारतीय हवाई अड्डों पर सिर्फ बुखार नापकर उन्हें आगे जाने दिया गया। नतीजा यह कि रोक-छेंक शुरू होने से पहले ही बीमारी देश के हर हिस्से में फैल चुकी थी। याद रहे, शुरू से ही खतरनाक माने जाने के बावजूद इस वायरस को लेकर सरकारों और जनसमूहों का रुख बदलता रहा। हर देश के जिम्मेदार लोग पहले डिनायल मोड में गए। भारत में तो यह वायरस आ ही नहीं आ सकता, आ भी गया तो मई में पारा 40 डिग्री लांघते ही जुकाम के वायरस की तरह टें बोल जाएगा। यह भी कि हमारे देसी नुस्खे इसकी बैंड बजा देने के लिए काफी हैं। जब यह बीमारी इटली में तबाही मचा रही थी, तब भी एक दिन के जनता कर्फ्यू के दौरान लोग इस बात को लेकर आश्वस्त दिखे कि इस मास्टरस्ट्रोक से कोरोना का इंसानी संपर्क टूट जाएगा और उसका खेल खत्म हो जाएगा! ऐसी गलतफहमियां बीमारी के बढ़ाव के साथ ध्वस्त होती गईं। और अब, तमाम देशों द्वारा अपनी सीमाएं सील करने, एक-दूसरे से हवाई संपर्क तोड़ने और तमाम आर्थिक गतिविधियां रोक देने, शारीरिक दूरी और लॉकडाउन का रास्ता अपनाने तथा करोड़ों लोगों को भुखमरी की जद में ला देने का लंबा दौर गुजर जाने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन बता रहा है कि कोरोना वायरस निकट भविष्य में विदा हो जाने वाली चीज नहीं। एड्स के वायरस की तरह हमें इसको दुनिया का स्थायी अंग मानने और सालों साल इससे बच-बचाकर चलने का मन बनाना पड़ सकता है। यह सूचना इतनी भयावह है कि इसे आत्मसात करने में दुनिया को लंबा वक्त लगेगा।

आज एक सैनिक ने फिर से प्राण देश पर वार दिए

हमने अपने दुश्मन को भी मौके प्रत्येक वार दिए
गीदड़ कायरता समझा है सिंहों की खामोशी को
भूल गया है जिसको हमने उसके प्राण के दान दिए
थका देश अब बोल रहा है कोई वज्र सा घात करो
उसके घात पर घातों का तुम भी तो प्रतिघात करो
मातृभूमि के वीर उठो मैं तुमको आज जगाता हूं
अपने देश के गद्दारों की तुमको बात बताता हूं
स्वयं देश के गद्दारों ने खुद के देश को तोड़ा है
भारत माता के किरीट को गद्दारी से फोड़ा है
तो सुनो दोगले जयचंदो, तुम खुलकर सामने आ जाओ
खुली चुनौती तुमको देता, आओ हम से टकराओ
(और एक वीर का आक्रोश क्या है बताता हूं)
तू उठा शीश अभिनंदन कर मातृभूमि का वंदन कर
अलख अभिलाषा से परे होकर आर्यावत से चंदन कर
नम्र निवेदन छोड़कर अब तू ढाल खड्ग से खंडन कर
मातृभूमि को शीश चढ़ाकर वंदन कर अभिनंदन कर
वंदन कर अभिनंदन कर , वंदन कर अभिनंदन कर

-पं. आशीष देवेन्द्र पाठक

जिंदगी

जिंदगी तू भी कमाल है, कब आती है, कब चली जाती है , पता ही नहीं लगता
तुम कभी किसी को पास ले आती है और कभी किसी को दूर ले जाती है
कभी किसी को कुछ बताने में जिंदगी निकल जाती और कोई अनजाने में बहुत कुछ कह जाता है
कभी किसी रिश्ते को निभाने का, हर प्रयत्न विफल हो जाता है और किसी से अनजाने से रिश्ता जुड़ जाता है।
कभी कोई लाख बार बोलने पर भी नहीं समझता और कोई बिन बोले ही समझ जाता है।
कभी कोई सब कुछ जानकर भी तोड़ कर चला जाता है और कोई बिना कुछ जाने सब कुछ जोड़ देता है।

अमित डोगरा,
पी.एच डी शोधकर्ता

माँ मेरी

सलाम है तुझको माँ मेरी,ममता की मूरत है,माँ मेरी ।।
मैया कहूं या माँ कहूं या मॉम कहूं या मम्मा तुझ से प्यारा कोई नहीं माँ मेरी ।।
जब-जब होते हैं हम तकलीफ में समझ जाती हो आप हम लोगों के चेहरे देखकर माँ मेरी ।।
और अपनी तकलीफ छुपा जाती हो मुस्कुराहट में ही माँ मेरी।।
झूठ हम बोल नहीं सकते जिनके सामने है वो हमारी माँ,माँ मेरी ।।
खुशी और गम में सबसे पहले याद करें तुझको माँ मेरी ।।
माँ बिन कुछ नहीं संसार में,माँ बिन अधूरे हैं हम बच्चे,माँ मेरी।।
साथ हो माँ का अगर तो कदर कर लो माँ के प्यार की
उसके जैसा प्यारा बिना स्वार्थ कोई कर नहीं सकता इस संसार में,माँ मेरी-माँ मेरी-माँ मेरी।।

मेघा जैन अग्रवाल
समाजसेवी,लेखिका,फिल्म डायरेक्टर
इंदौर मप्र

पृथ्वी एवं पर्यावरण संरक्षण ही समस्त चराचर का मूल कर्तव्य व धर्म है

पृथ्वी है तो जन है,पृथ्वी ही धन है,पृथ्वी हीं आधार, पृथ्वी ही संसार,अगर नहीं रहा आधार हम हो जाएंगे निराधार। संकल्प,जागरूकता,इसकी महत्ता और इस भाग दौड और विलासिता भरी जिंदगी में यह स्वर्णिम अवसर है कि हम प्रकृति के संरक्षण में कुछ योगदान दें, अपना कर्ज चुकता करें। हम सभी को पर्यावरण के प्रति निष्ठा-भाव से जागृति अत्यंत अत्यावश्यक है। हमारे बापू ने भी यही कहा था कि प्रकृति लोगों की आवश्यकता की पूर्ति के लिये पर्याप्त है किन्तु लोभ के लिए नहीं। वे कहा करते थें कि विकास के त्रुटिपूर्ण ढाँचे को अपनाने से असन्तुलित विकास पनपता है। यदि असन्तुलित विकास को अपनाया गया तो धरती के समूचे प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो जायेंगे। वह जीवन के समाप्त होने तथा महाप्रलय का दिन आ जाएगा। पृथ्वी हमारी धरोहर है,इसकी रक्षा करना हमारा कर्त्तव्य है। प्रकृति ने हमें अनमोल उपहार दिए हैं, प्रकृति ने हमें सूर्य, चाँद, हवा, जल, धरती, नदियाँ,पहाड़, हरे-भरे वन और धरती के नीचे छिपी हुई खनिज सम्पदा धरोहर के रूप में हमारी सहायता के लिए प्रदान किए हैं। और क्या चाहिए इंसान को? आइए,आज हम मिलकर प्रकृति को बचाने और दुर्व्यवहार न अपनाने का संकल्प लें। आज संपूर्ण विश्व पर एक नजर डाले तो एक ही बात को महसूस करेंगे की यह जल, थल, नदियाँ, पहाड़, झरने, पेड़- पौधे सब प्रकृति प्रदत्त है। हम 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस के रूप में मानतें है यह सोंचकर की हमारा भी कुछ दायित्व और कर्तव्य है पृथ्वी के प्रति। पर, मेरा ऐसा मानना है कि 22 अप्रैल को क्यों हर दिन पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। आज जिस गति से पर्यावरणीय संकट के बदल छाने को आतुर और बचैन हैं, यह अत्यंत चिंताजनक और दुखद है। पर्यावरण प्रदूषण से सम्पूर्ण विश्व संदेह के घेरे में है, इससे हम मानव ही नही वरन् जलचर, नभचर, पृथ्वीचर के प्राणी भी अछूते नहीं हैं । हम सभी को सामूहिक एकता,समरसता,सद्भाव का भावना रखकर पृथ्वी एवं प्रकृति के संरक्षण हेतु जो-जो कर्तव्य एवं फ़र्ज़ है वह अदा करना है। धरा हमारी माता है और कहा भी गया है- जननीजन्मभूमिश्चस्वर्गादपिगरीयसी। अर्थात,जननी (जिसने जन्म दिया) और जन्मभूमि (जहाँ पर जन्म लिया) वह स्वर्ग से भी बढ़कर है। माता समतुल्य धरती माता जो हमारी पालन-पोषण करती है, जो अन्न,धन, जल देकर आत्मा तृप्त करती है वह माता जन्मदात्री से भी बढ़कर होती है। हम माता समान धरती के संतान है और अपनी माता का फर्ज भूल जायें ,उसे कष्ट दें,उसे यातना दें,उसके साथ दुर्व्यवहार करें,उसकी सेवा-भक्ति न करें तो माता का दिल खंडित हो जाता है। माता अपने पुत्र से रुष्ट हो जाती है और जन्मदात्री के रुष्ट होने मात्रा से हमपर उनके कलेजा का आह और दाह लगता है जिससे हमारा अस्तित्व का पतन हो जाता है। आज सरकार प्रकृतिक के संरक्षण के प्रति बहुतेरे मुहिम चला रही है। नित्यप्रति बढ़ रहे ग्लोबल वार्मिंग के कारण कई प्रजातियाँ ,पशु -पक्षी संकटग्रस्त और विलुप्त हो रहे हैं, कई प्रजातियाँ काल के गाल मे समा गयी हैं। अत:,आज हमे पर्यावरणीय चेतना जागृत करना अत्यावश्यक है। आज यह विषय किसी व्यक्ति मात्र के चिंता का विषय नही है। आज से पचास वर्ष पूर्व अमेरिकी ब्यक्ति सीनेटर गेलार्ड जो पृथ्वी एवं पर्यावरण के प्रति चिंतनशील रहते थें, आज उस समय के विपरीत है।जागरूकता के लिए कई मार्ग का प्रयास किये थें तो सोचिये, पचास वर्ष पूर्व और वर्तमान की स्थिति जरा अपने अंतर्मन से एक बार चिंतन कीजिये की पूर्व के अपेक्षा आज की स्थिति क्या है? जनसंख्या, पेड़-पौधों का तेजी से कटाई, ग्लोबलवार्मिंग,ओजोन परत का क्षय ,पशु-पक्षी,जंगल-झाड़,नदी-नाला का विलुप्त होने जैसी विकट परीस्थितियाँ आ धमकी है और हम फिर न तो सतर्क व पर्यावरण के प्रति कोई सामूहिक चेतना का विकास नहीं कर पा रहें हैं। आधुनिक काल में जिस तरह पेड़-पौधें एवं जंगल की अंधाधुंध कटाई की जा रही है, जिससे मृदा अपरदन(मिट्टी का क्षरण) की समस्या बढ रही है, ग्लेशियर पिघल-पिघल कर पानी बन रहा है, ग्लोबल वार्मिंग समस्याओं में अपना प्रमुख,अपना अहम स्थान ग्रहण किये हुआ है। जगह-जगह कूड़ा-कचरा ,पॉलीथिन की वजह से वातावरण दूषित हो रहे हैं। ऐसी भयावह स्थिति में पृथ्वी की गुणवत्ता,उर्वरक शक्ति का क्षीण तीव्र गति से हो रही है। आज अपने माता समतुल्य धरती के पेड़-पौधें,जंगल-झाड़,पहाड़,नदी-नाला,पशु-पक्षी,झरने,मिट्टी जैसे अलंकारक शृंगार रूपी आभूषण गन्दहीन,प्रकाशहीन और लहूलुहान होने पर लगी है। आज हमअकूत संपदा को बार-बार आघात कर नष्ट करने में लगें है। लोग अपने रोजमर्रा एवं विलाषिता भरी जीवन में केवल अपने ऐशो-आराम, सुख-भोग के लिए प्रकृति के अकूत संपदा को नष्ट करवाने पर तुले हुए हैं। खुद पैर पर कुल्हाड़ी मार अपने मानवीय चेतना,मानवता,मनुष्यता,आदमियता, भलमनसी खोकर एक अधम इंसान होने का प्रमाण दे रहे हैं। विनाश काले विपरीत बुद्धि जान पड़ रहा है ।वर्तमान में दु:ख की बात यह है कि प्रकृति के जैविक घटक सभी जीव-जंतु,कीड़े-मकौड़े,सूक्ष्म जीव इनसे सम्बद्ध सारी जैविक प्रक्रियाएं और साथ हीं अजैविक घटक पर्वत,नदी,हवा ,जलवायु सब नष्ट होने के कागार पर हैं। आज पर्यावरण जिसका अर्थ परि+आवरण अर्थात् समस्त भौतिक, रसायनिक, जैविक कारक समदिष्टिगत सारे तत्व आज अर्थहीन और महत्वहीन जान पड़ रहें हैं। आज हम सबको यह ध्यान में रखना होगा कि हम पर्यावरण पर निर्भर हैं न की पर्यावरण हम पर। वायु प्रदूषण,जल संचरण न करना, शहरीकरण, औद्योगीकरण, जनसंख्या में वृद्धि,आज पर्यावरण की प्रमुख समस्या है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह समस्याएँ दीवार की भांति है। हमारी धरती माता सांस्कृतिक एवं भौतिक दृष्टि से अनन्त एवं असीम विविधताएँ समेटी हुई है। हम सभी संतान को हमारे दैनिक जीवन के सभी जरूरतपयोगी व अकूत सम्पदाओं को सुलभ कराने में यह प्रकृति ही अहम् भूमिका अदा करती है। धरती पर बढतें प्रकृति सम्पदाओं का दोहन आज वैश्विक चिंता का कारण बनी हुई है। जलवायु परिवर्तन भी प्रमुखता से है। हमें अति शीघ्र इसके प्रति जागरूक व सजग होना होगा। सामूहिक तौरपर,सामाजिक तौर पर,राष्ट्रीय एवं वैश्विक तौर पर इसके प्रति जागरूकता का विगुल फूँक अलख जगाना होगा। हम सभी बुद्धिजीवि प्राणी ,ज्ञानी मानव जानतें हैं कि इस प्रकृति की रचना पांच तत्वों से मिलकर बनी है।क्षितिज,जल,पावक,गगन, समीरा। अगर इन तीन बातों पर हीं प्रश्न चिन्ह लग जाये तो जीना दुश्वार हो जायेगा,समूल नष्ट हो जायेगा।आज मानव के अव्यवहारिक जीवन-शैली ऐसा चोला व लबादा पहन लिया है, ऐसी धारणा को अपने उपर हावी कर लिया है कि हमारे अकुशल,अव्यवहारिक, अक्षम्य, अन्यायोचित के कारण धरती लहूलुहान,बंजर होती जा रही है। जिससे आनेवाली पीढ़ियाँ संकट के भयावह परिणाम भुगत सकतें हैं। आज सामाजिक संस्कृति व मनोसामाजिक पर्यावरण में बदलाव की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण के जागरूकता हेतु हमें जागृति फैलाते हुए प्रत्येक व्यक्ति को यह संकल्प लेना अनिवार्य है, इसके लिए वृक्षारोपण,जल संचय के साथ-साथ प्रकृति के सभी मूल तत्वों का संरक्षण का संकल्प लेना होगा। पर्यावरण जागरूकता को वैश्विक रूप देते हुए जैव विविधता,जलीय-थलीय संसाधन,खनिज संसाधन, पर्यावरणीय आंदोलन,शिक्षा द्वारा जनमानस चेतना में जागृति आदि पर बल अत्यावश्यक एवं अति महत्वपूर्ण है। तो आइए ! इस प्रकृति के लिए विनाशकारी सिद्ध हो रहें तथ्यों को मध्य नजर रखते हुए हम धरती माता के संतान व देश के कर्तव्यनिष्ठ नागरिक होने के नाते आज हम अपने माता समान धरती,प्रकृति एवं पर्यावरण को हर हाल में रक्षा करें।

सूर्य प्रकाश उपाध्याय
(बिहार हिंदी साहित्य सम्मलेन)
पता: रोहतास(बिहार)

उम्मीद का सूरज

रात काली है भयानक घन घटा घन घोर है।
उल्सुओं चमगादड़ों का बस भयानक शोर है।
किन्तु धीरज मत डिगाना,यह तिमिर भी डर भगेगा।
उन्मीद का सूरज जगेगा।
कष्ट और संघर्ष की है,छा रही काली घटायें।
आज सिर पर डोलती हैं,घात करतीं आपदायें।
है हमें विश्वास दुख का,धुंध इक दिन तो छँटेगा।
उम्मीद का सूरज उगेगा।
उम्मीद का दामन पकड़ ले, धैर्य को निज थाम ले।
कर्म पथ पर चल विहँस कर,ईश का तू नाम ले।
देख तेरा हौसला अब,यह अँधेरा ना टिकेगा।
उम्मीद का सूरज उगेगा।
गाएगा फिर गीत मधुरिम,डाल पर पंछी विहँस कर।
बाँध कर घुँघरू सुरीले,वायु नाचेगी थिरक कर।
लालिमा से युक्त आनन,पूर्व का फिर हँस उठेगा।
उम्मीद का सूरज उगेगा।

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव कोमल
व्याख्याता-हिन्दी
अशोक उ.मा. विद्यालय,
लहार,भिण्ड (म.प्र.)
मो.-9993282741

संग्रहालय दिवस विशेष: सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने और उनके प्रचार-प्रसार में संग्रहालय की अहम भूमिका

हमारे सांस्कृतिक धरोहर को सुरक्षित रखने और उनके प्रचार-प्रसार में संग्रहालय अहम भूमिका निभाता है। हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व की चीजों और सामग्रियों को संग्रहालय इकट्ठा करता है और उनको सुरक्षित रखता है। इसमें कोई शक नहीं कि संग्रहालय प्राचीन कलाकृतियों, नक्काशियों, मूर्तिकला, अन्य चीज, इतिहास आदि का भंडारगृह है। संग्रहालय मानव इतिहास के जीवंत गवाह हैं। किसी देश की कला-संस्कृति और इतिहास को गहराई से जानना, समझना और देखना हो तो संग्रहालयों से बेहतर कोई जगह नहीं होती है। यही वजह है कि दुनिया के विकसित मुल्कों ने अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने के लिए बड़े-बड़े संग्रहालयों का निर्माण कराया है। जहां इतिहास है वहां विरासत है जहां विरासत है वहां भविष्य है इसीलिए कहा जाता है कि जो समाज अपने अतीत को नहीं भूलता, वह हर समय अपना परचम लहराता है। इतिहास की रोशनी में वर्तमान को गढ़ने का सउर हासिल होता है। यह इतिहास ही है जो आने वाली पीढ़ियों को रास्ता बताने का कारगर हथियार साबित होता है। जो समाज अपने इतिहास, अपने अतीत की थाती को विस्मृत कर देता है, वह नया रचने में नाकाम होता है। इतिहास को समझने के कई माध्यम हो सकते हैं। इनमें संग्रहालय सशक्त जरिया है। शायद इसीलिए दुनिया के अनेक मुल्कों में संग्रहालयो को काफी महत्व दिया जाता है। हजारों साल पुराने कालखंड के चिह्नें को देखना, अपने पुरखों के सजर्नात्मक संसार से गुजरना कभी हैरान करता है तो कभी ऊर्जा से भर देता है। यही वह गौरवबोध है जो नया गढ़ने को प्रेरित करता है। संग्रहालय सिर्फ इतिहास को सहेजने का माध्यम नहीं हैं उनमें रखे पुरातात्विक अवशेषों, चित्रों आदि की मदद से हमें बीते हुए कल के बारे में जानने-समझने में सहूलियत होती है। विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था - अतीत की ओर जितना देख सकते हो देखों, इससे भविष्य की राह निकलेगी। संग्रहालय में रखी गयी चीजों को देखने से हमें वही राह देखने में मदद मिलती है। संग्रहालयों के महत्व को यूरोप ने बहुत पहले समझ लिया था। यही वजह है कि यूरोप के इंगलैंड, स्पेन और फ्रांस जैसे देशों में राजशाही ने संग्रहालयों को समृद्ध किया। इंगलैंड में ब्रिटिश म्यूजियम पहला संग्रहालय था जो न चर्च के अधीन था और न राजा के. पूरी तरह से समाज के लिए खुला हुआ था। वहां के समाज ने भी उसे समृद्ध करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पहले संग्रहालयों में पुरातात्विक अवशेषों, चित्रों, अभिलेखों आदि को संरक्षित रखा जाता था। अब उन्हें प्रचारित भी किया जाता है संग्रहालय जितना समृद्ध होगा, वहां पर्यटकों की तादाद सर्वाधिक होती है। लोग इतिहास को सिर्फ देख ही नहीं सकते हैं, बल्कि महसूस भी कर सकते हैं संग्रहालयों में यह बदलाव हर देश में आया है।

- सुनील पटेल, नेजपुर डूंगरपुर

सन्नाटा

चहुं ओर पसरा सन्नटा जन जीवन सब अस्त व्यस्त है,
दौड़ती भगती सी जिंदगी में अब पूर्ण विराम सा है,
घरो मे कैद है मानव और सड़कों पर हाथी बंदर है,
जो कहते थे कभी खुद को सिकंदर वो आज घरों के अंदर है।
खो गयी बाजारों की रौनक होटल मॉल सब बंद हुए,
एक तुच्छ कीटाणु के आगे अच्छे अच्छे परमाणु नतमस्तक हुए,
जो कहते थे शहरों में सारे ठाट है,
वो गांवो को लौटने पर मजबूर हुए।
उतारो चश्मा चमक धमक का मानवता को समझो तुम,
प्रकति के संग दुव्यवहार करो नही हे मानव तुम,
दान धर्म के महत्व को समझो निर्दोषो को ना मारो तुम,
जाति पाती का वैर मिटाकर इंसानियत को अपनाओ तुम।

बावली की कलम से
प्रियंका पवन खंताल(बावली)
उरई (उप्र)

कहानी दर्द की

अरु का घर बड़ा बन रहा हैं उसके माँ-बाप, रिश्तेदार, दोस्त सब खुश है, पर अरु का मन बहुत दुखी है क्योंकि उसके घर को बड़ा बनाने के लिए उसके पापा ने घर के पास लगा पेड़ कटवा दिया, वो पेड़ सबके लिए सिर्फ एक पेड़ था पर अरु के लिए एक दोस्त, एक हमदर्द, अरु उस पेड़ से बातें करती थी उसकी छांव में बैठती, पेड़ की पत्तियों से खेलती, अरु ने एक बार उस पेड़ की ड्राइंग भी की थी। अरु ने उस पेड़ पर झूला भी डलवाया था वह अपनी सहेलियों के साथ झूला झूलती थी, उसे इस पेड़ का साथ बहुत भाता था। ब उसे पता चला कि उसके पापा घर के पास लगा नीम का पेड़ जो उसका सबसे अच्छा दोस्त है, को कटवा रहे हैं, तो उसने पापा को समझाया की वह पेड़ कितना प्यारा लगता हैं और उसने हमारा क्या बिगाड़ा हैं, हम उसे क्यों कटवा रहें है, तब पापा ने कहा की बाहर एक कमरे की जगह निकल आयेगी यदि वह पेड़ हट जाये, इसलिए वह पेड़ हटवाया जा रहा हैं। किसी को उस पेड़ के हटने पर कोई दिक्कत नहीं हो रही थी पर अरु का दिल बैठा जा रहा था।जब पेड़ काटने वाले ने पहली कुल्हाड़ी पेड़ पर चलाई तो अरु का दिल भी टूटने लगा,अरु के पापा ने पेड़ को जल्दी काटने का हुक्म दिया।पेड़ पूरी तरह जड़ से काट दिया गया और जल्द ही उस जगह पर काम भी शुरू हो गया पर अरु की आँखों से आंसू थम नहीं रहे थे। क्योंकि उसके दिल में दर्द था, उसके सबसे अच्छे दोस्त की जुदाई का दर्द, अरु को बार-बार वही बात तकलीफ दे रही थी कि उसके सामने उसके दोस्त को मार दिया और वह कुछ न कर सकी।

अंकिता जैन अवनी
(हिंदी लेखिका/कवयित्री)

क्रिएटिव राइटिंग में बना सकते हैं करियर

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है।
अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता।
अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज में आईटीआई पास के लिए वैकेंसीज

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएिटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्टीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

1000 पीपीई किट्स दान किए

अब एक्ट्रेस ने नीलामी का फैसला भी किया है और वो इससे होने वाली कमाई को जरूरतमंदों के लिए राशन किट्स के लिए दान कर देंगी

मजदूरों के लिए आर्टवर्क्स नीलाम कर रही सोनाक्षी सिन्हा

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने कोरोना वायरस से फ्रंटलाइन पर जंग लड़ रहे डॉक्टर्स के लिए 1000 पीपीई किट्स दान किए। इसके बाद अब एक्ट्रेस ने नीलामी की फैसला भी किया है और वो इससे होने वाली कमाई को जरुरतमंदों के लिए राशन किट्स के लिए दान कर देंगी। जी हां, उन्होंने अपने आर्टवर्क्स नीलाम करने का फैसला किया है और इसके फंड का इस्तेमाल दिहाड़ी मजदूरों के लिए किया जाएगा।

बता दें कि सोनाक्षी, अंषुला कपूर के साथ यह काम कर रही हैं। अंषुला कपूर के फंडरेजिंग प्लेटफॉर्म ऩ्ह्ल्ल'ल्ला कोरोना वायरस की इस जंग में कई अलग अलग तरीकों से फंड जुटा रहा है। अब इस ऩ्ह्ल्ल'ल्ला की ओर से ही सोनीक्षा सिन्हा के आर्टवर्क्स नीलाम किए जाएंगे। बता दें कि सोनाक्षी सिन्हा आर्ट में माहिर हैं और कई बार उन्होंने अपने स्केच के वीडियो और फोटोज भी शेयर किए हैं। सोनाक्षी सिन्हा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने आर्टवर्क्स की तस्वीरें भी शेयर की हैं और नीलामी में उनकी स्टार्टिंग बोली की कीमत बताई है। ऐसे में आप देख सकते हैं कि किस आर्टवर्क की शुरूआती कीमत कितनी है। सोनाक्षी सिन्हा ने ट्विटर पर भी इसका ऐलान किया है और ट्वीट करते हुए लिखा, 'मैंने फनकाइंड के साथ जुड़कर अपने आर्टवर्क की नीलामी और डेली वैजेज वर्कर्स को राशन किट देने का फैसला किया है। इसमें कैनवास पेंटिंग्स और स्केच का एक मिक्स होगा।' साथ ही उन्होंने कहा, 'अगर हम दूसरों के लिए कुछ नहीं कर सकते तो किस बात के अच्छे हैं। मेरा ऑर्ट वर्क मुझे सोचने समझने की शक्ति को बढ़ाता है। मुझे ये सब कर के बहुत खुशी मिलती है। लेकिन अब इसका इस्तमाल दूसरों के लिए कर के मुझे और ज्यादा राहत मिलेगी।' इससे पहले सोनाक्षी सिन्हा ने 1000 पीपीई किट्स पुणे के एक अस्पताल को डोनेट किए थे। सोनाक्षी सिन्हा ने अस्पतालों में डॉक्टर्स के लिए पीपीई किट डोनेट करने की मुहिम चलाई है और उनके कई फैंस भी इसमें आगे आए हैं। वहीं, बॉलीवुड के कई स्टार्स पहले फंड डोनेट करने के बाद अब लगातार पीपीई किट्स डोनेट कर रहे हैं। सोनाक्षी ने पीपीई किट्स तो अक्षय ने हार्टबीट, बीपी और कदमों को नापने वाले रिस्ट बैंड डोनेट किए हैं।

माधुरी दीक्षित ने फैंस को दिया खास तोहफा जल्द ही अपना एक गाना कैंडल लेकर आएंगी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आज अपना 53वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्होंने फैंस को भी खास तोहफा दिया है। माधुरी दीक्षित जल्द ही अपना एक गाना कैंडल लेकर आएंगी। माधुरी दीक्षित ने अपने जन्मदिन पर इस गाने का टीजर शेयर किया। इस गाने को माधुरी दीक्षित ने गाया है। माधुरी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी खूबसूरत आवाज में एक अंग्रेजी गाना गा रही है। इसके साथ ही माधुरी ने उन सभी का धन्यवाद दिया है, जिन्होंने उन्हें इस खास दिन की बधाई दी है। माधुरी ने लिखा-जन्मदिन पर मुझे बधाई और प्यार देने के लिए धन्यवाद। मैं भी आपको कुछ प्यार देना चाहती हूं। मैं अपने पहले एकल सांग के प्रि०?यू को साझा कर रही हूं। जल्द ही गाना साझा करूंगी। यह कैंडल है, जो आशा से भरपूर है। अभी हमें कुछ बड़ी आपूर्ति की आवश्यकता है। माधुरी दीक्षित का यह टीजर सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं फैंस इस गाने का बेसब्री से इन्तजार कर रहे हैं। माधुरी के फैंस ने सोशल मीडिया पर उनहें ढेरों बधाइयां और शुभकामनायें भी दे रहे हैं। हालांकि माधुरी इससे पहले भी अपनी गायिकी का जलवा बिखेर चुकी है। उन्होंने अपनी फिल्म गुलाबी गैंग में ट्रेडिशनल गाना रंगी साड़ी गुलाबी गाया था। इस गाने को उन्होंने स्नेहलता दीक्षित के साथ मिलकर गाया था। इस बार माधुरी जो गीत लेकर आ रही है, उसे उन्होंने अकेले ही गाया है। यह गाना कब रिलीज होगा, इस पर अभी सस्पेंस है। इन दिनों माधुरी सोशल मीडिया पर एक्टिव है और अपने बेटे के साथ वीडियो शेयर करती रहती हैं।

पीएम मोदी की लोकल मुहिम से जुड़ीं अभिनेत्री नीना गुप्ता

गुजरे दौर से लेकर वर्तमान तक फिल्मी दुनिया में सक्रिय अभिनेत्री नीना गुप्ता चाहे-अनचाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकल यानी स्थानीय मुहिम से जुड़ गई हैं। लॉक डाउन के दौरान बीते दो माह से नैनीताल जनपद के मुक्तेश्वर स्थित अपने घर में रह रहीं अभिनेत्री द्वारा इस संबंध में इंस्टाग्राम पर डाले गये दो वीडियो में से एक को 1.5 लाख एवं दूसरे को 81 हजार से अधिक लोग देख चुके हैं। इन वीडियो में से एक में अभिनेत्री प्रधानमंत्री मोदी का नाम लिये बिना ब्रांडेड उत्पादों की जगह खुद खरीदे गये स्थानीय उत्पादों की उपयोगिता बता रही हैं। दूसरे वीडियो में लॉक डाउन से ब्रांडेड की जगह जो भी मिले, उन उत्पादों का मितव्ययिता से उपयोग की सीख मिलने की बात कर रही हैं। पहले वीडियो में अभिनेत्री नीना गुप्ता नारंगी एवं हरे रंग के दो स्वेटर और मोजे दिखाते हुए बताती हैं कि उन्होंने यह दोनों स्वेटर मुक्तेश्वर की ही एक महिला से हाथ से बुनवाए हैं। नीना वीडियो में बताती हैं कि यह केवल एक हजार रुपये में बन गए हैं। उन्होंने अपने पति के लिए भी स्वेटर बुनने को दिए हैं। नीना कहती हैं, इस वर्ष पर्यटन की सभी गतिविधियां ठप हैं, ऐसे में लोगों की आमदनी खत्म हो गई है। ऐसे में क्यों न हम अपने जरूरत के अधिकतम सामान अपने आसपास के लोगों से ही लें। ऐसा करने से उनकी जरूरत भी पूरी हो जाएगी और उनकी आर्थिक मदद भी हो जाएगी। दूसरे वीडियो में वे कहती हैं, मेरा वाला भूल जाओ। वे कहती हैं वे केवल पांच-छह दिन के लिए मुक्तेश्वर आई थीं लेकिन दो माह से यहीं फंस गई हैं। ऐसे में उन्होंने अपने शैम्पू में पानी डालकर उसे मितव्ययिता से कई बार प्रयोग कर लिया है। ग्रीन टी की जगह जो भी चाय पत्ती मिल गई, उसी से चाय बनाकर पी ली है। अंडे के साथ चुकंदर भी उबालकर खा लिये, ताकि गैस बच सके। वे कहती हैं, इस तरह एक बुरे कारण-कोराना की वजह से उन्होंने बचत करने व मितव्ययिता के काफी अच्छे सबक सीखे हैं।

रेड चिलीज के टीम मेंबर की मौत पर भावुक हुए शाहरुख खान, लिखा- तुम्हारी बहुत याद आएगी मेरे दोस्त

शाहरुख खान ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज के कर्मचारी अभिजीत के निधन पर शोक जताया है। शुक्रवार देर रात अभिनेता ने सोशल मीडिया पर इमोशनल पोस्ट लिखते हुए उन्हें याद किया है। शाहरुख की मानें तो अभिजीत रेड चिलीज के साथ इसकी शुरूआत से ही जुड़े हुए थे। रेड चिलीज के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से लिखा गया है, रेड चिलीज के सबसे पुराने सदस्यों में से एक अभिजीत की मौत ने हमारे दिलों में कभी न भरने वाली जगह छोड़ी है। हम उन्हें और हमारे आसपास उनकी मौजूदगी को हमेशा याद करेंगे। उनकी आत्मा को शांति मिले। उनके परिवार और दोस्तों के प्रति हमारी सच्ची संवेदना। रेड चिलीज के ट्वीट को री-ट्वीट करते हुए शाहरुख ने अपने पहले प्रोडक्शन हाउस ड्रीम्ज अनलिमिटेड को याद किया है। वे लिखते हैं, हमने फिल्में बनाना ड्रीम्ज अनलिमिटेड के साथ शुरू किया था। अभिजीत मेरा सबसे मजबूत सहयोगी था। हमने कुछ अच्छा, कुछ बुरा काम किया। लेकिन हमेशा माना कि हम आगे बढ़ेंगे। क्योंकि टीम में उसके जैसे स्ट्रॉन्ग सदस्य थे, जो सब संभाल लेते थे। तुम्हारी बहुत याद आएगी मेरे दोस्त। 1999 में शाहरुख ने अपने दोस्त और कलीग्स जूही चावला और अजीज मिर्जा के साथ ड्रीम्ज अनलिमिटेड की शुरूआत की थी। इसके बैनर तले 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी', 'अशोका' और 'चलते-चलते' का निर्माण किया गया। 2003 में शाहरुख ने कंपनी को टेक ओवर किया और पत्नी गौरी खान के साथ इसे रेड चिलीज में कन्वर्ट कर दिया। 'मैं हूं न' रेड चिलीज के बैनर तले बनी पहली फिल्म थी।

सलमान खान लॉकडाउन खत्म होने तक पनवेल के फार्महाऊस पर ही रहेंगे !

कोविड-19 की वजह से फैली महामारी को देखते हुए इंडियामें लॉकडाउन अभी जारी है। देश में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की तादाद बढ़ती ही जा रही है। मुंबई शहर पूरी तरह से बंद है। बॉलीवुड पर ताला जड़ा हुआ है। कुछ दिन पहले सलमान खान के बारे में खबर आई थी कि वो अपने पनवेल के फार्महाउस से वापस मुंबई के बांद्रा वाले घर आ गए हैं। लेकिन अब उनके बारे में नई खबर आ रही है। अब तक सलमान अपने पनवेल फार्महाउस में ही फंसे हुए हैं। जबकि उनके मॉम-डैड सलीम खान और सलमा खान गैलेक्सी अपार्टमेंट, मुंबई में अपने फ्लैट में हैं। परिवार के करीबी सोर्सेज के मुताबिक , सलमान को महीने के लास्ट तक मुंबई में प्रभुदेवा के डायरेक्शन में बन रही एक्शन-थ्रिलरफिल्म 'राधे' के लिए शूट करना था, लेकिन जब शूटिंग रद्द कर दी गई, तो वो सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए फार्महाउस चले गए। सलमान पनवेल से लॉकडाउन खत्म होने के बाद ही लौटेंगे आपको बता दें कि पनवेल का फार्महाउस सलमान की फेवरेट जगह है और सलमान को जब भी टाइम मिलता है वो वहीं जाते हैं। सलमान को बच्चों से भी बेहद लगाव है तभी तो वो अर्पिता, आयुष और उनके बच्चों आहिल और आयत के साथ समय बिताना चाहते हैं। हालांकि सलमान इस तरह की छुट्टी केवल दिसम्बर में लेते हैं, क्योंकि दिसम्बर में सलमान का बर्थडे होता है और साथ ही सलमान नए साल का भी बड़े जोरों शोरों से स्वागत करते हैं। हाल ही में जारी एक वीडियो में, सलमान को जैकलीन फर्नांडीज के साथ देखा गया, जो सलमान के साथ उनके फार्महाउस में ही रह रही हैं। ऐक्टर ने खुलासा किया कि पिछले कुछ समय से वो इस गाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन ये गाना उनके किसी भी फिल्म में फिट नहीं हो पा रहा था।

पहली फिल्म हिट होने के बाद भी ऑटो में सफर करते थे प्रियांशु चटर्जी !

बॉलीवुड एक्टर प्रियांशु चटर्जी 19 साल पहले फिल्म तुम बिन से बॉलीवुड में लॉन्च हुए थे। तुम बिन फिल्म हिट रही थी। प्रियांशु ने बॉलीवुड के साथ-साथ बंगाली फिल्मों में भी काम किया। अपनी पहली फिल्म तुम बिन से ही उन्होंने अपनी रोमांटिक एक्टर की इमेज बना ली थी। न सिर्फ फिल्म बल्कि इसके गाने भी जबरदस्त हिट हुए थे। इसके बाद वह ऐश्वर्या राय के साथ दिल का रिश्ता में उन्होंने काम किया। उन्होंने भूतनाथ पिंजर जूली , कोई मेरे दिल में है, भूतनाथ चिंटू जी जैसी कई अन्य बेहतरीन फि ल्में कीं। हाल ही में विधू विनोद चोपड़ा की फिल्म शिकारा में नजर आए थे। करीब 20 सालों से प्रियांशु हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं लेकिन प्रियांशु की कि स्मत के सितारों ने इनका साथ नहीं दिया । प्रियांशु चटर्जी अच्छे मौके मिलने के बावजूद इंडस्ट्री की दौड़ में कहीं गुम होकर रह गए। साल 2010 के बाद प्रियांशु बॉलीवुड की छोटे बजट की कुछ फि ल्मों में नजर आए । हिंदी सिनेमा में बात नहीं जमी तो प्रियांशु बंगाली फिल्मों में काम करने लगे । प्रियांशु की फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री तो धमाकेदार हुई लेकिन बाद की फिल्में नहीं चली और वो इंडस्ट्री से कही गुम हो गए। प्रियांशू बहुत कम फिल्मों में नजर आते हैं। उन्हें उनके पसंद की फिल्में नहीं मिल रही हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि ,"अगर फि ल्में अच्छी नहीं मिली तो मैं फि ल्म साइन नहीं करूंगा नहीं तो मैं एक्टिंग करने के बजाय साबुन-तेल की दुकान खोलकर सामान बेच रहा होता इसलिए मुझे जब मेरे हिसाब का काम मिलता है तभी काम करता हूं। " उन्होंने अपने बारे में ये भी कहा था कि, मेरी पहली फिल्म सुपरहिट थी। इस फिल्म से निमार्ता ने बहुत पैसा कमाया और मुझे इससे काफी फेम मिला। खास बात यह है कि मैंने 'तुम बिन' के लिए मुझे उतनी फीस नहीं मिली जितनी एक लोकप्रिय फिल्म के स्टार को मिलती है।

अब कंगना रनोट की फिल्म में दिखेंगी राजघराने में जन्मीं भाग्यश्री

फिल्म 'मैंने प्यार किया' एक्ट्रेस भाग्यश्री कंगना रनोट स्टारर फिल्म थलाइवी में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस ने लंबे समय से बॉलीवुड फिल्मों से दूर हैं, हालांकि वो कुछ दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आई थीं। भाग्यश्री ने सलमान खान स्टारर फिल्म मैंने प्यार किया से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था और इस फिल्म के लिए उन्हें कई अवॉर्ड भी मिले थे, लेकिन फिर वो बॉलीवुड जगत में खास काम नहीं कर पाईं और कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में नजर आईं।

उन्होंने 2013 के बाद भी फिल्मों से लंबा ब्रेक लिया था और अब कंगना की फिल्म से वो वापसी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि तमिलनाडू की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के जीवन पर बन रही फिल्म थलाइवी में भाग्यश्री का किरदार काफी अहम होने वाला है और वो जिस किरदार में नजर आएंगी, वो फिल्म का टर्निंग पॉइंट हो सकता है। हाल ही में उन्होंने पिंकविला के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि क्या मजबूरियां थीं कि उन्होंने फिल्म से तौबा कर लिया। भाग्यश्री ने कहा कि यह वक्त कठिन तो जरूर था लेकिन मैंने अपने दिल की सुनी और फिर इस बारे में कठिन फैसला लिया। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, अपने किरदार को लेकर भाग्यश्री ने कहा, 'मैं फिल्म में अहम किरदार निभा रही हूं और मेरा किरदार थलाइवी की लाइफ में टर्निंग पॉइंट साबित होगा। कंगना और मैंने साथ में कई सीन शूट किए हैं और पूरी टीम हम दोनों की ऑन-स्क्रीन कैमिस्ट्री को पसंद कर रही है। उनके साथ काम करके काफी अच्छा लगा क्योंकि वो बहुत अच्छी कलाकार हैं, जो अपने प्रदर्शन में पूरी तरह से घुस जाती है। काफी लंबे समय बाद सेट पर वापसी करके अच्छा लग रहा है।' बता दें कि भाग्यश्री का जन्म महाराष्ट्र के सांगली में पटवर्धन राजघराने में हुआ था। उनके पिता विजय सिंहराव माधवराव पटवर्धन सांगली के राजा माने जाते हैं। तीन बहनों में भाग्यश्री सबसे बड़ी हैं। वहीं, उनके निजी जीवन में कई उतार-चढ़ाव भी सामने आए, जिसकी वजह से भी उनके करियर पर काफी असर पड़ा।

लॉकडाउन में दीपिका को आ रही है बहन अनीशा की याद

लॉकडाउन के बीच अब अभिनेत्री दीपिका पादुकोण को अपनी बहन की याद सताने लगी है। दीपिका इन दिनों सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिसमें उनके साथ उनकी बहन अनीशा भी नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को दीपिका ने इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा- मैं तुम्हे याद कर रही हूं पीनट! तुम पर कूदने और गले लगाने का इंतजार नहीं कर सकती हूं। इस तस्वीर में दोनों बहनें मुस्कुराती नजर आ रही हैं। थ्रोबैक तस्वीर में दीपिका वाइट आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, वहीं उनकी बहन अनीशा ब्लैक पैंट और चेक टॉप में नजर आ रही हैं। दीपिका इन दिनों अपने अभिनेता पति रणवीर सिंह के साथ घर पर समय बिता रही हैं। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को काफी पसंद किया जा रहा है। दीपिका पादुकोण ने इससे पहले भी सोशल मीडिया पर अपनी बहन और मां के साथ तस्वीर शेयर की थी। दीपिका पादुकोण जल्द ही फिल्म 83 में नजर आएंगी। इस फिल्म को कबीर खान ने निर्देशित किया है। फिल्म 83' में दीपिका के साथ रणवीर सिंह भी है। दीपिका पादुकोण फिल्म 83 में रोमी भाटिया के किरदार में नजर आयेंगी।

कोरोना महामारी में कोरोना योद्धाओ की महत्वपूर्ण भूमिका: भानु प्रताप सिंह

समाज सेवियो ने पुलिस कोरोना योद्धाओं का माल्यार्पण व फल भेंट कर किया सम्मान

दबोह(अर्पित गुप्ता)
दबोह नगर में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा-मध्यप्रदेश के जिला दतिया भिण्ड सीमा पर चैक पोस्ट बनाया गया है।कोरोना से लड़ने के लिए लगातार लॉकडाउन के दौरान दिन रात ड्यूटी पर तैनात होकर देशहित के लिए समर्पित होने वाले कोरोना योद्धाओ का सर्व जनहित समाजसेवा संस्थान के द्वारा सम्मान किया गया।उनका यह सम्मान कोरोना योद्धाओ के रूप में संस्था के डायरेक्टर भानुपताप सिंह के द्वारा किया गया।चैक पोस्ट पर कोरोना कर्मवीर योद्धाओ का सम्मान माल्यार्पण व फल भेंट कर किया गया।इस दौरान सम्मान पाकर ड्यूटी पर तैनात कोरोना योद्धाओ ने कहा कि देश मे फैली महामारी में कोरोना को हराने के लिए सभी समाज सेवियों द्वारा हम सभी पुलिस कर्मियों के हौशला बढ़ाए जा रहे है,समाजसेवियों का सहयोग भी मिल रहा है जल्दी ही हमारी और हमारे देश की जीत होंगी।सम्मानित होने वालो में रमाकांत शर्मा 13 बटालियन,रवि कुमार छतीसगढ़ 12 बटालियन, विकास सिंह, नाका प्रभारी रामसहाय जाटव, आरक्षक विकाश राजावत, डॉ. लोकेंद्र सिंह, रविकुमार, रमाकांत शर्मा इस्त्र आदि का सम्मान किया गया।इस मौके पर डायरेक्टर भानु प्रताप सिंह के साथ गौतम सिंह,समाजसेवी हरिराम जाटव, दिलीप सोनी, सुरेंद्र दौहरे पूर्व पार्षद, हृदेश कुमार,रणजीत सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

8 व 19 मई को उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न के साथ एक किलो दाल भी मिलेगी

ग्वालियर। शासन के निर्देशानुसार ग्वालियर नगर के 66 वार्डों में लॉकडाउन के दौरान चरणबद्ध रूप से शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जा रहा है। 18 व 19 मई 2020 को नगर के वार्ड क्रमांक-3, 12, 30, 31, 32, 48, 52, 62 तथा 65 में स्थित सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। योजना के तहत प्रति परिवार को एक किलो चना दाल भी वितरित की जायेगी। अपर कलेक्टर श्री टी एन सिंह ने बताया कि उक्त वार्डों की उचित मूल्य की दुकानों से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत ऐसे हितग्राहियों को खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है जो बीपीएल एवं पात्रता पर्ची वाले हितग्राही तथा सामान्यत~ संबंधित शासकीय उचित मूल्य की दुकान से नियमित रूप से राशन प्राप्त करते हैं। उन्हें योजना के तहत खाद्यान्न वार्ड की सभी उचित मूल्य की दुकानों से वितरण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त इसी योजना के तहत प्रति परिवार एक किलो चना दाल भी वितरित की जायेगी। कोरोना वायरस (कोविड-19) के तहत खाद्यान्न का वितरण वार्ड की चिन्हित केवल एक दुकान से वार्ड के समस्त ऐसे हितग्राहियों को वितरित किया जायेगा, जिनकी सूची शासन से प्राप्त हुई है।

दबोह के वार्ड नवम्बर 04 में युवक ने लगाई फाँसी

दबोह (मोहित गोस्वामी)
कस्बा दबोह बार्ड क्रमांक 04 में शशिकांत पुत्र लल्लू शाक्य उम्र 29 बर्ष ने अज्ञात कारणों के चलते अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।जानकारी के अनुसार मृतक के पिता लल्लू शाक्य ने बताया कि वह अपने खेत पर था जहां ईंटो का भट्टा लगा हुआ था मेरा परिबार भी खेत पर था मेरे दो बेटे है जिसमे मेरा छोटा बेटा दीपक मेरे साथ था मेरा बड़ा बेटा घर पर अकेला था जब मै घर आया तो पता चला की टीवी चल रही थी,कूलर भी चल रहा था और बेटा शशिकांत फांसी पर झूलता मिला,तुरन्त मैने पुलिस को सूचना दी। मेरे बेटे की बहू तुलसी शाक्य 8 दिन पहले अपने मायके गयी थी।उसकी एक बर्ष की लड़की रूबी साथ मे है। मृतक की माँ ने बयान दिया की शराब ने ही मेरे बेटे की जान ली है। इस सबन्ध में पड़ोस के लोगो से बात की तो उन्होंने बताया कि मृतक शशिकांत शराब पीने का आदि था और वह मजदूरी करता था।

इनका कहना

मृतक के परिबार जन बाहर थे मृतक शशिकांत का मर्ग कायम कर पीएम के लिये लहार भेज दिया गया है।

बेदराम यादव, सब इंस्पेक्टर थाना दवोह

सीहोर थाना प्रभारी ने रात में अबैध परिवहन करते हुए एक टैक्टर ट्रॉली की जफ्त

शिवपुरी/करैरा- जिले के हाल ही में कुछ थानों में शिवपुरी पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल के द्वारा फेरबदल किया गया है। वही सीहोर थाना पदस्थ नवगत थाना प्रभारी राजबीर सिंह गुर्जर को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई थाना प्रभारी अपने पुलिस फोर्स के साथ बताये गये स्थान पर पहुंचकर दबिश दी तो एक नीले रंग का सोनालिका टैक्टर ट्रॉली अबैध रेत भरकर नरवर की ओर जा रहा था पुलिस को देखकर टैक्टर चालक व अन्य साथी टैक्टर ट्रॉली को खेत में ही छोड़कर भाग खड़े हुए वही पुलिस ने रेत से भरी टैक्टर ट्रॉली को जप्त कर थाना परिसर में रखवा दी है। बताया गया है कि सीहोर थाना क्षेत्र में प्रतिदिन जगह-जगह अबैध कारोबारी स्थानों पर जमघट लगा रहता है लेकिन अब थाना प्रभारी राजबीर सिंह गुर्जर ने अबैध उत्खनन पर लगाम कस दी गई है। वह थाना प्रभारी की दबंगगई के चलते रेत माफियाओ में मचा हड़कंप है ।

कोविड-19 के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम हेतु अधिकारियों को सौंपे कार्य

ग्वालियर। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम की निगरानी हेतु अधिकारियों को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा कार्य आवंटित किए गए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस के वर्मा ने आवंटित किए गए कार्य के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कोविड-19 वायरस के संक्रमण से बचाव एवं रोकथाम की निगरानी हेतु कोविड-19 ऑनलाइन पोर्टल निर्मित किया गया है। जिसका वेब एड्रेस है। इन पोर्टल्स पर प्रतिदिन अद्यतन जानकारी की एंट्री सुनिश्चित करेंगे। साथ ही राज्य स्तर से नियुक्त संभागीय एवं जिला ओआईसी को नियमित रिपोर्ट भेजेंगे। जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार तथा राज्य स्तर के वेब पोर्टल पर डाटा एंट्री का कार्य जिला मॉनीटरिंग एवं इवेल्यूशन अधिकारी श्री दत्तात्रेय कद्रे देखेंगे। जबकि इस कार्य के लिये आईडीएसपी के डाटा मैनेजर श्री अखिलेश जैन अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी रहेंगे। कोविड-19 के प्राप्त पॉजिटिव मरीजों की लाइन लिस्ट संधारण का दायित्व एपिडिमियोलॉजिस्ट डॉ. महेन्द्र पिपरौलिया को सौंपा गया है। इस कार्य के लिये डाटा मैनेजर श्री अखिलेश जैन अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी रहेंगे। कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग का कार्य एपिडिमियोलॉजिस्ट डॉ. महेन्द्र पिपरौलिया देखेंगे। इस कार्य के लिये डीएचओ-1 डॉ. अर्चना जैन (अग्रवाल) अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी रहेंगी। सर्विलेंस एवं संबंधित कार्य और सीसीसीडीसीएच, डीसीएच में भर्ती मरीजों की स्थिति का कार्य जिला सर्विलेंस अधिकारी डॉ. मनोज कौरव को आवंटित किया गया है। इन कार्यों के लिये डॉ. महेन्द्र पिपरौलिया एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री विनय कुमार पाण्डेय को अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

सेम्पलिंग का कार्य सेम्पल रिजल्ट रिपोर्टिंग संबधी कार्य सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. डी के शर्मा को सौंपा गया है। इस कार्य के लिये चिकित्सा अधिकारी पैथोलॉजी डॉ. साधना सिंह अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगी। आरआरटी संबंधी कार्य का दायित्व मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वयं देखेंगे। जबकि इस कार्य के लिये जिला सर्विलेंस अधिकारी श्री मनोज कौरव अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। केन्टोनमेंट एरिया से संबंधी कार्य का दायित्व डॉ. महेन्द्र पिपरौलिया को दिया गया है। इस कार्य के लिये आरएमओ डॉ. आलोक पुरोहित अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी रहेंगे। मृत्यु संबंधी प्रकरणों की जानकारी के लिये डीएचओ डॉ. अर्चना जैन को कार्य आवंटित किया गया है। इस कार्य के लिये डॉ. मनोज कौरव अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। सीसीसी,डीसीएचसी तथा सुपरविजन का कार्य मेडीकल विशेषज्ञ डॉ. मृदुल सक्सेना, सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र सिंह यादव, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. रवि पाठक को आवंटित किया गया है। इस कार्य के लिये डॉ. मनोज कौरव अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। पीपीई किट, एन-5 मास्क, ट्रिपल लेयर मास्क तथा सेनेटाइजर की उपलब्धता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं प्रभारी अधिकारी भण्डार डॉ. रामकुमार गुप्ता देखेंगे। इस कार्य के लिये सिविल सर्जन डॉ. डी के शर्मा को अतिरिक्त प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

थाना प्रभारी को दी भावभीनी विदाई, विदाई समारोह में थाना प्रभारी ने बांटे सभी लोगों को मास्क

मोहन मांझी
गोहद अभी हाल ही में थाना प्रभारी संजय एक्का का स्थानांतरण पुलिस लाइन भिंड के लिए हुआ पुलिस अधीक्षक भिंड के आदेशानुसार आज थाना प्रभारी संजय एक्का को लाइन में आमद देने के लिए इस विदाई समारोह में थाना स्टाफ द्वारा थाना प्रभारी को भावभीनी विदाई दी गई साथ ही विदाई समारोह में थाना प्रभारी संजय एक्का द्वारा समस्त स्टाफ एवं पत्रकार बंधुओं सहित सभी लोगों को मास्क वितरण कर कोरोना की जंग जीतने के लिए हर संभव प्रयास करने के सुझाव दिए थाना प्रभारी संजय एक्का द्वारा अपने कार्यकाल में निष्पक्षता से कार्रवाई करते हुए कभी किसी को निराश नहीं होने दिया जोकि उनके कार्यकाल को देखते हुए समस्त स्टाफ को विदाई करते समय बहुत दुख भी हुआ लेकिन तबादला होना एक शासन की प्रक्रिया है जिसके तहत उनको शीघ्र ही अन्य थाने की कमान मिले ऐसी सभी स्टाफ ने कामना की इस अवसर पर सब इंस्पेक्टर अजय यादव एवं नागेश शर्मा प्रधान आरक्षक प्रमोद पावन कमल सिंह दोहरे एवं आरक्षक प्रदीप केन पदम सिंह राजेंद्र सिंह नरेंद्र शाक्य धर्मेंद्र सिंह सहित समस्त स्टाफ मौजूद था।

गरीबों, मजदूरों, किसानों के खातों में 16 हजार 489 करोड़ ट्रांसफर किये गये

सरकार ने गरीबों के लिए खोला खजाना - मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल । मध्यप्रदेश सरकार ने पिछले 45 दिनों में 2 करोड़ 94 लाख गरीबों, श्रमिकों और किसानों के खातों में 16 हजार 489 करोड़ की राशि ट्रांसफर की है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गरीबों के प्रति संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता दिखाते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लोगों के खातों में सीधे राशि पहुचांई। कोरोना संकट के चलते राज्य के राजस्व में आयी कमी एवं वित्तीय संकट के बावजूद मुख्यमंत्री श्री चौहान ने गरीबों, मजदूरों और किसानों की योजनाओं के लिए सरकार का खजाना खोल दिया। इससे प्रदेश के लोगों में वित्तीय तरलता बनी रही। अभी तक 6 हजार 489 करोड़ विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत राशि ट्रांसफर की गयी है ओर 10 हजार करोड़ रुपये गेहूँ उपार्जन के लिए भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने शासन के विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं की समीक्षा कर यह निर्णय लिया कि जितने भी वित्तीय संसाधन उपलब्ध हैं वे सबसे पहले गरीबों मजदूरों और किसानों की योजनाओं के लिए दिये जायें। लगभग प्रतिदिन किसी न किसी योजना में हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित की गई है। मध्यप्रदेश सरकार ने कोरोना संकट में प्रारंभ से ही इस रणनीति पर काम किया कि सरकारी योजनाओं की ज्यादा से ज्यादा राशि लोगों के खातों में डाली जाये। सरकार ने 15 लाख किसानों के खातों में फसल बीमा योजना की 2981 करोड़ की राशि ट्रांसफर की। कोरोना संकट के बावजूद किसानों से गेहूँ उपार्जन की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। इस वर्ष उपार्जन में अभी तक 12 लाख 61 हजार किसानों से 87 लाख 43 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया। उपार्जित गेहूं के विरूद्व किसानों को अब तक 10 हजार करोड़ का भुगतान उनके खातों मे किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत एक लाख 78 हजार 417 हितग्राहियों को 451 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत 8 हजार 241 हितग्राहियों को 82 करोड़ 41 लाख और संबल योजना में 1963 हितग्रहियों को 41 करोड़ 33 लाख ट्रांसफर किये गये। शासन ने सहरिया, बैगा एवं भारिया जनजाति की महिलाओं को आहार अनुदान योजना अंतर्गत 2 लाख 26 हजार 362 हितग्राहियों को 44 करोड़ 60 लाख और 8.85 लाख निर्माण श्रमिकों के खातों में 177 करोड़ रूपये ट्रांसफार किये। राज्य के बाहर फँसे एक लाख 31 हजार श्रमिकों को 13 करोड़ 10 लाख की राशि ट्रांसफर की गई। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत 46 लाख हितग्राहियों को 562 करोड़ की राशि अंतरित की गई। मध्यान्ह भोजन योजना में 87 लाख बच्चों के अभिभावकों के खातों में 117 करोड़, 2 लाख 10 हजार रसोईयों को 42 करोड़ की राशि दी गई। विभिन्न छात्रवृत्तियों के अंतर्गत 52 लाख हितग्राहियों के खातें में 430 करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई। गौ-शाला में चना, भूसा आपूर्ति के लिए 29 करोड़ 85 लाख, पंच परमेश्वर योजना के अंतर्गत जिलों में राहत एवं अन्य वयवस्था के लिए 156 करोड की राशि दी गई। प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना के अंतर्गत 68 लाख 13 हजार किसानों को एक हजार 3 सौ 62 करोड़ 60 लाख की राशि दी गई।

ग्वालियर में रविवार को 7 मरीजों की पॉजिटिव रिपोर्ट आई

ग्वालियर। कोविड-19 के लिये ग्वालियर जिले में रविवार को भेजे गए जाँच नमूनों में से 483 जाँच नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई। 7 मरीज पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके अतिरिक्त सभी सेम्पलों की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। पॉजिटिव पाए गए 4 मरीज डबरा के एवं 3 मरीज बेहट के निवासी हैं। पॉजिटिव पाए गए सभी मरीजों का उपचार प्रारंभ कर दिया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि ग्वालियर जिले में रविवार 17 मई को 7 मरीजों की पॉजिटिव रिपोर्ट प्राप्त हुई है। 476 मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई है। पॉजिटिव पाए गए 4 मरीज डबरा के हैं, जिनकी कॉन्टेक्ट हिस्ट्री है। इसके साथ ही 3 मरीज जो बेहट के हैं उनकी ट्रैवल हिस्ट्री है। ग्वालियर जिले में अब तक 8 हजार 400 नोवेल कोरोना संक्रमण की जांच कराई गई है। जिले में अब तक 66 पॉजिटिव मरीज प्राप्त हुए हैं। उपचार के पश्चात 22 कोरोना मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से अपने घर पहुँच चुके हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के निवासियों से अपील की है कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए सावधानी बरतें। अनावश्यक रूप से घर से न निकलें। घर से निकलते समय मास्क अवश्य पहनें। उन्होंने डबरा निवासियों से भी विशेष आग्रह किया है कि संक्रमण को देखते हुए वे अधिक सावधानी बरतें। सभी लोग अपने घरों पर ही रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। संक्रमण की रोकथाम के लिये सभी को सावधानी बरतना आवश्यक है। ग्वालियर जिले में कोरोना वायरस के सभी मरीजों को सुपर स्पेशिलिटी अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों की स्थिति स्थिर है। जिले के निवासियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। सभी को सावधानी बरतते हुए इस संकट की घड़ी में अपने और अपने परिवार के साथ आस-पास के निवासियों का भी ध्यान रखने की आवश्यकता है।

किसी भूखे का पेट भरना सबसे बड़ा धर्म है: सद्दीक खान

दबोह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारी रोजाना भूखों को खिला रहे खाना

(मोहित गोस्वामी)
दबोह। एक ओर कोरोना वायरस संक्रमण के चलते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी दिन रात कोरोना योद्धाओ के रूप में डंटकर जनता की सेवा कर रहे हैं तो वहीं वह मानव धर्म निभाते हुए भूखो को रोजाना खाना भी खिला रहे हैं।दरअसल मामला भिण्ड जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दबोह का है जहां पर स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ एमपीडब्लू स्वास्थ कर्मचारी सद्दीक खान स्वयं के खर्चे से रोजाना बाहर से आ रहे सभी भूखे प्यासे मजदूरो को भोजन के रूप में रोजाना अलग अलग व्यंजन परोस रहे हैं जिनमे वह रवाना पोहा व पुलाव का लोगो को खिला रहे हैं साथ ही यहां बता दें कि यह भोजन सद्दीक खान घर मे स्वयं अपने हाथों से बनाते हैं।इस सम्बन्ध में एमपीडब्ल्यू स्वास्थ कर्मचारी सद्दीक खान ने बताया कि इस समय रोजाना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर बाहर से आ रहे मजदूरो की संख्या लगातार बढ़ रही है उनके साथ महिलाओ में छोटे छोटे बच्चों की स्थिति देख मेरे मन मे उनका पेट भरने की जिज्ञासा हुई।उन्होंने कहा कि हमारे नवी ने फ़रमाया है कि स्वयं भूखे रहकर भी अपने पड़ोसी को कभी भूखा न रहने दे रमज़ान का महीना चल रहा है भारत का प्रत्येक मुसलमान रोजा रखकर खुदा से दुआ कर रहा है कि हमारे देश को इस कोरोना जैसी गम्भीर बीमारी से बचाये इसी के साथ मैं भी अल्लाह से दुआ करता हूं कि सभी देशबासियो को इस भयानक बीमारी से लड़ने की हिम्मत दें जिससे वह सावधानियों के साथ अपना जीवन यापन करे।शासन द्वारा बताये जा रहे सभी नियमो का पालन करे,मुझे भरोसा है कि कोरोना हरेगा और हमारा भारत जीतेगा। इस दौरान सद्दीक खान ने बताया कि इस नेक कार्य मे उन्हें स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल ऑफिसर डॉ.निशान्त यादव समेत समस्त स्टाफ व परिवार का भी सहयोग भरपूर मिल रहा है जिससे वह बेहद खुश हैं।

इनका कहना

मुझे खुशी है कि हमारे स्टाफ में ऐसे स्वास्थ कर्मचारी है यह अच्छा प्रयास है सभी सक्षम जागरूक नागरिको को मजदूरो के हित मे ऐसे प्रयास करना चाहिये। हम व हमारा स्टाफ मानव सेवा में समर्पित है।

डॉ. निशांत यादव
मेडिकल ऑफिसर दबोह

चीन में महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी अभ्यास सत्र में भाग लेती हुईं

मप्र में तैयार होंगे ओलंपिक के निशानेबाज

कोरोना की वजह से टोक्यो ओलंपिक एक साल के लिए टाल दिया गया है, लेकिन भारत का लक्ष्य 2028 के ओलिंपिक की मेडल टेली में टॉप-10 में आना है। इसके तहत खेल मंत्रालय ने वन स्टेट, वन गेम्स की योजना तैयार की है। इसके लिए 14 खेल चुने गए हैं। राज्यों को ये खेल गोद दिए गए हैं। राज्यों पर ही इनके खिलाडयिों को तैयार करने की जिम्मेदारी होगी।

वन स्टेट, वन गेम्स के तहत हरियाणा समेत 5 राज्य ओलिंपिक के लिए बॉक्सर तैयार करेंगे। दिल्ली समेत 3 राज्यों ने पहलवानों को तैयार करने की जिमेदारी ली है। मध्य प्रदेश अकेला राज्य होगा, जो निशानेबाज तैयार करेगा। मध्यप्रदेश ने ओलंपिक के लिए शूटर तैयार करने की जिमेदारी ली है। राज्य सरकार की ओर से भोपाल में इंटरनेशनल शूटिंग रेंज बनाया गया है। मध्यप्रदेश के शूटर पिछले कुछ सालों से नेशनल स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। ट्रैप शूटिंग में मध्यप्रदेश का दबदबा है। मध्यप्रदेश की चिंकी यादव ने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल में टोक्यो गेम्स के लिए देश को ओलंपिक कोटा दिलाया है। 14 खेलों में आर्चरी, बॉसिंग, शूटिंग, बैडमिंटन, रेसलिंग, हॉकी, साइलिंग, एथलेटिस, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, स्विमिंग, जूडो, फेंसिंग और रोइंग शामिल है।

इन खेलों के बनेंगे एक्सीलेंस सेंटर

जूडो, हॉकी, फेंसिंग और साइलिंग के सेंटर शुरू भी हो चुके हैं। इन सेंटरों पर जूनियर खिलाडियों की ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई का भी इंतजाम किया गया है। इसके लिए कई स्कूलों से करार किया गया है।

अफरीदी पर पूर्व गेंदबाज कनेरिया का आरोप

वह शुरू से ही मेरे खिलाफ रहे और वनडे करियर को बर्बाद कर दिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज दानिश कनेरिया ने शनिवार को पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मेरे साथ अफरीदी का बर्ताव कभी अच्छा नहीं रहा। वे शुरू से ही मेरे खिलाफ थे। उन्होंने जानबूझकर मुझे वनडे टीम में ज्यादा मौके नहीं दिए। इसलिए मेरा करियर बर्बाद हो गया। कनेरिया ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में यह बात कही। कनेरिया ने कहा कि कप्तान रहते अफरीदी ने मुझे वनडे टीम में बहुत कम मौके दिए।

इसकी वजह से 2000 से लेकर 2010 के बीच में मैंने सिर्फ 18 वनडे ही खेले। 39 साल के इस गेंदबाज ने कहा कि अफरीदी हमेशा से मेरे खिलाफ थे। जब हम घरेलू क्रिकेट में एक डिपार्टमेंट की तरफ से खेले या पाकिस्तान की वनडे टीम में। उनका बर्ताव बुरा ही रहता था। आप समझ सकते हैं कि अगर कोई शख्स हमेशा आपके खिलाफ हो, तो इसके पीछे धर्म के अलावा कोई दूसरा कारण आपको नजर नहीं आता है।

शोएब ने भी टीम पर कनेरिया से पक्षपात का आरोप लगाया था

दानिश ने पिछले साल शोएब अख्तर के उस दावे का भी समर्थन किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि हिंदू होने की वजह से ही कनेरिया के खिलाफ भेदभाव किया जाता था।

अफरीदी ने कप्तान रहते मुझे कम मौके दिए

इस गेंजबाज ने कहा कि मैं 18 वनडे से ज्यादा खेल सकता था, लेकिन अफरीदी की वजह से ऐसा नहीं हो पाया। अफरीदी जब घरेलू क्रिकेट में भी कप्तान थे, तब भी मुझे ज्यादा मौके नहीं मिले और वनडे में भी उन्होंने बिना किसी वजह के ऐसा किया। हालांकि, उसके बाद भी भगवान का शुक्रिया अदा करूंगा कि मुझे पाकिस्तान के लिए काफी क्रिकेट खेलने का मौका मिला और मुझे उस पर गर्व है।

2009 में स्पॉट फिक्सिंग के दोषी पाए गए थे

कनेरिया 2009 में एसेक्स की तरफ से काउंटी क्रिकेट खेलने के दौरान स्पॉट फिक्सिंग के दोषी पाए गए थे। वे तब से ही टीम में वापसी के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से गुहार लगा रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा- मैं सिर्फ पीसीबी से मदद चाहता हूं। अगर बोर्ड मोहम्मद आमिर, सलमान बट को मौका दे सकता है, तो मुझे क्यों नहीं। मैंने भी गलती की थी, लेकिन दूसरों ने भी तो यही किया था। लेकिन मुझे टॉयलट पेपर की तरह इस्तेमाल करके फेंक दिया गया।

इंजमाम उल हक सबसे अच्छे कप्तान

कनेरिया ने इंजमाम उल हक की कप्तानी में सबसे ज्यादा क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि इंजमाम ने मुझे काफी सपोर्ट किया। मैंने मोइन खान और राशिद लतीफ की कप्तानी में भी खेला। ये भी मुझे पसंद करते थे। लेकिन मैंने अफरीदी की कप्तानी में बहुत कम खेला।

कनेरिया ने 61 टेस्ट, 18 वनडे खेले

कनेरिया पाकिस्तान की तरफ से खेलने वाले दूसरे हिंदू क्रिकेटर थे। इससे पहले उनके एक रिश्तेदार अनिल दलपल पाकिस्तान के लिए खेले थे। कनेरिया ने 61 टेस्ट में 34.79 की औसत से 261 विकेट लिए थे।

सभी खिलाड़ियों को क्वारैंटाइन रहना होगा

टी-20 वर्ल्ड कप पर अहम फैसला 28 मई को बगैर दर्शकों के हो सकता है टूर्नामेंट

- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद 28 मई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक करेगा
- इस साल टी-20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप पर कोरोनावायरस का खतरा मंडरा रहा है। इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 28 मई को अहम बैठक करेगा। टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है। यह टूर्नामेंट बगैर दर्शकों के हो सकता है। साथ ही खिलाड़ियों को क्वारैंटाइन रहना जरूरी होगा। वर्ल्ड कप में 16 टीमें शामिल होंगी। मेजबान समेत आईसीसी रैंकिंग की टॉप-9 टीमों को सीधे इंट्री मिली है। जबकि बाकी 6 टीमों को क्वालिफायर राउंड से होकर गुजरना पड़ा है। आईसीसी सूत्रों के मुताबिक, 28 मई को होने वाली आईसीसी की बैठक का मुख्य एजेंडा टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर चर्चा करना है। वर्ल्ड कप को स्थगित किया जाना है, निर्धारित समय पर होना है या फिर दर्शकों की इंट्री होगी या नहीं, इन सब पर फैसला होगा। हर हाल में खिलाड़ियों को टेस्ट से गुजरना ही होगा। साथ ही उन्हें 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन पर जाना होगा। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खेल मंत्री रिचर्ड कोलेबेक ने कहा था, वर्ल्ड कप बड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि भीड़ एक बड़ी समस्या रहेगी। जिस पर हमें वास्तव में विचार करना होगा, क्योंकि वर्ल्ड कप को दुनियाभर के लोग देखेंगे। मुझे लगता है कि हम प्रोटोकॉल बना सकते हैं। इसमें खिलाड़ियों का सहयोग महत्वपूर्ण हो सकता है। इससे पहले आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी ने टूर्नामेंट को लेकर ऑस्ट्रेलियाई सरकार से बात करेंगे।

धीरे-धीरे सभी देशों के खिलाड़ी प्रैक्टिस शुरू कर रहे

फिलहाल, दुनियाभर में कोरोना के कारण सभी खेल गतिविधियां बंद है। धीरे-धीरे खिलाड़ी प्रैक्टिस पर लौट रहे हैं। इग्लैंड के खिलाड़ी अगले हफ्ते से आउटडोर ट्रेनिंग शुरू करने जा रहे हैं। वहीं, दो महीने के लॉकडाउन के बाद टीम इंडिया 18 मई से आउटडोर प्रैक्टिस शुरू कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने भी इस महीने के अंत में प्रैक्टिस शुरू करने के लिए कमेटी गठन किया हुआ है। जो खिलाड़ियों के लिए प्रोटोकॉल बना रही है। उधर, पूर्वी कैरेबियन देश सेंट विसेंट और द ग्रेनेडाइंस में 22 से 31 मई तक विंसी प्रीमियर टी-10 लीग खेली जाएगी।

भारतीय टीम क्वारैंटाइन के लिए तैयार

हाल ही में बीसीसीआई ने कहा था कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 14 दिन के क्वारैंटाइन के लिए तैयार है। वर्ल्ड कप के बाद टीम इंडिया को वहां साल के आखिर में 4 टेस्ट और 3 वनडे भी खेलना है। सूत्रों की मानें तो ऑस्ट्रेलिया में भारतीय टीम के लिए 323 करोड़ रुपए की बनी नई ओवल होटल को क्वारैंटाइन सेंटर बनाया जा सकता है।

अक्टूबर-नंवबर तक हो सकता हैं इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को कोविड-19 महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2022 तक टालने पर विचार कर रही है। ऐसे में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कराने के आसार बढ़ गए हैं। आईसीसी की इस प्रतियोगिता का आयोजन 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक प्रस्तावित है। इसके लिए आईसीसी बोर्ड की बैठक से पहले क्रिकेट समिति की बैठक है, जिसमें गेंद पर पसीना और लार लगाने सहित कई परिस्थितियों पर चर्चा की जाएगी। बोर्ड के सदस्य ने कहा कि 'हम आईसीसी की प्रतियोगिता समिति से तीन विकल्पों की उम्मीद कर रहे हैं। पहला विकल्प 14 दिन के पृथकवास (आइसोलेशन) के साथ टी 20 विश्व कप का आयोजन हो, जिसमें दर्शकों की अनुमति है। वहीं, दूसरा विकल्प है कि मैच खाली स्टेडियम में हों और तीसरा विकल्प है कि टूर्नामेंट को 2022 के लिए स्थगित कर दिया जाए।' बोर्ड के इस सदस्य ने कहा कि 'आईसीसी को थोड़ी वित्तीय परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन यह एक अल्पकालिक समस्या है। अगर टूर्नामेंट 2022 में होता है, तो उसे कोई खास घाटा नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि अगर टूर्नामेंट अपने निर्धारित समय पर होता है तो बड़ी संख्या में लोगों को आइसोलेशन में रहना होगा।

ऑस्ट्रेलिया दौर में पांच टेस्ट खेलना भारतीय टीम के लिए संभव नहीं : गांगुली

मुम्बई। भातीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने कहा है कि इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम पांच टेस्ट मैचों की सीरीज नहीं खेल पायेगी। गांगुली ने कहा कि कोरोना वायरस के बाद जब क्रिकेट फिर शुरू होगा तो हालात पहले जैसे नहीं रहेंगे ऐसे में चार की जगह पांच टेस्ट मैच खेलना संभव नहीं होगा। भारतीय टीम को साल के अंत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 4 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। गांगुली ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना संभव होगा। इस दौरे में भारतीय टीम को सीमित ओवरों की सीरीज भी खेलने है और इसके अलावा 14 दिन क्वॉरंटीन की गाइडलाइंस को भी मानना होगा।' वहीं रॉबटर्स ने कहा था कि पांच मैचों की सीरीज होना तय तो नहीं है पर इसकी संभावना जरूर है।

स्मिथ वनडे में विराट के आस-पास भी नहीं आ पाएंगे, सचिन से भी बेहतर कोहली : पीटरसन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने भारतीय कप्तान विराट कोहली की तारीफ की है। उन्होंने विराट को सचिन तेंदुलकर और पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ से बेहतर बताया है। पीटरसन ने कहा कि स्मिथ कभी भी कोहली के आस-पास भी नहीं पहुंच पाएंगे। वनडे में तो कोहली से बेहतर दूसरा कोई बल्लेबाज ही नहीं हैं। पीटरसन ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज पम्मी मिंगंगवा के साथ लाइव चैटिंग की। पम्मी ने पीटरसन से विराट और सचिन में से किसी एक को चुनने के लिए कहा था। इस पर पीटरसन ने कोहली का रिकॉर्ड सचिन से बेहतर है। उन्होंने कहा कि विराट अपने करियर में सचिन के बनाए कई रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

स्मिथ के मुकाबले विराट कई गुना बेहतर

स्मिथ और विराट में से एक को चुनने के पम्मी के सवाल पर पीटरसन ने कोहली का नाम लिया। उन्होंने कहा कि स्मिथ विराट के आस-पास भी नहीं हैं और इसकी उम्मीद भी नहीं है कि वे कभी उनके पास भी पहुंच पाएंगे। विराट ने दबाव में कई बार बेहतर बल्लेबाजी की है। उसने रन का पीछा करते हुए 80 प्रतिशत मैचों में भारत को अपनी बल्लेबाजी की बदौलत जीत दिलाई है।

सचिन ने 2012 में आखिरी वनडे खेला था

विराट ने 239 वनडे में 59.34 की औसत से 11867 रन बनाए हैं, जबकि सचिन के नाम 463 वनडे में 44.83 के एवरेज से 18426 रन हैं। सचिन ने अंतिम वनडे 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। उन्होंने सभी फॉर्मेट को मिलाकर 100 शतक लगाए हैं, जबकि विराट अब तक 70 शतक लगा चुके हैं।

14 अगस्त से मोनाको में शुरू होगा विश्व एथलेटिक्स सत्र मुकाबले दर्शकों सहित हों या बिना फैसला करें आयोजक

मोनाको ■ एजेंसी

विश्व एथलेटिक्स के प्रमुख सेबेस्टियन को ने कहा है कि विश्व एथलेटिक्स मुकाबले 14 अगस्त से मोनाको में फिर शुरू होंगे। बेस्टियन के अनुसार ये खेल मुकाबले अगस्त में जब फिर शुरू होंगे तो यह आयोजकों पर निर्भर करेगा कि वे दर्शकों के बिना खेलों का आयोजन चाहते हैं या उनके बिना। कोरोना वायरस संक्रमण के खतरे को देखते हुए अभी खेलों का आयोजन खाली स्टेडियमों में ही आयोजिन करने की सलाह दी गयी है। विश्व एथलेटिक्स ने 14 अगस्त से मोनाको में सत्र फिर शुरू होने की घोषणा की है।

सेबेस्टियन ने कहा, कोई भी एथलीट दर्शकों के बिना प्रतिस्पर्धा करना पसंद नहीं करेगा

इस प्रतियोगिता को पहले मई में शुरू होना था पर कोरोना महामारी के कारण इसे टाल दिया गया। सेबेस्टियन ने कहा, कोई भी एथलीट दर्शकों के बिना प्रतिस्पर्धा करना पसंद नहीं करेगा। वे स्टेडियम में प्रशंसकों के सामने प्रतिस्पर्धा करना चाहेंगे। कुछ शहर सिर्फ एथलीटों को मंजूरी दे सकते हैं, कुछ चाहेंगे कि ज्यादा संख्या में दर्शक ना रहे। हमें दोनों की भावनाओं का सम्मान करना होगा। उन्होंने कहा कि 12 चरणों के प्रतिष्ठित डायमंड लीग के आयोजक स्थानीय हालातों और सुरक्षा दिशानिर्देशों के अनुसार प्रतियोगिता की संख्या तय करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व एथलेटिक्स डायमंड लीग मीट के आयोजकों के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी नहीं करेगा। हमने इसे स्थानीय आयोजकों पर छोड़ दिया है कि वे एथलीटों और दर्शकों की सुरक्षा स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक सबसे बेहतर तरीके से कैसे करेंगे। जाहिर है, हम अच्छा करने की कोशिश करेंगे और प्रतियोगिता के निदेशकों के संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा, लीग के हर चरण के आयोजक को यह अधिकार होगा कि वह किस स्पर्धा को रखे और किसे प्रतियोगिता से बाहर करें। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने में खेल पहले की तरह नहीं रहेगा। ट्रैक एवं फील्ड का आयोजन अगले कुछ महीनों में पारंपरिक रूप में नहीं होगा पर इसमें कोई रास्ता निकालना होगा जिसे हम निकाल लेंगे।

राहत पैकेज का बुरा असर — पहले पैकेज से 73,000 करोड़ रुपए का फिस्कल डेफिसिट पर असर

20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज से फिस्कल डेफिसिट बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो सकता है: एसबीआई रिपोर्ट

- कोविड-19 से पहले 3.5 प्रतिशत फिस्कल डेफिसिट का था अनुमान

मुंबई ■ एजेंसी

सरकार द्वारा 20 लाख करोड़ रुपए के अंतिम पैकेज को आज जारी किया जाएगा। इस पैकेज के बाद अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में फिस्कल डेफिसिट यानी राजकोषीय घाटा बढ़कर 7.9 प्रतिशत हो सकता है। इससे पहले यह अनुमान जीडीपी की तुलना में 3.5 प्रतिशत का लगाया गया था। यह जानकारी एसबीआई की रिपोर्ट में दी गई है। सरकार ने जीडीपी का 10 प्रतिशत हिस्सा राहत पैकेज के रूप में जारी किया है। गौरतलब है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण आज 20 लाख करोड़ रुपए के बाकी बचे हिस्से का ऐलान करेंगी। यह अनुमान कोविड-19 महामारी के चलते कम राजस्व और अधिक खर्च के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि सीएसओ के जीडीपी के पिछले अनुमानों पर आधारित मूल राजकोषीय घाटा करीब 7.1 फीसदी है। हमारा अनुमान है कि राजस्व में कमी या राजकोषीय स्थिरता के कारण फिस्कल डेफिसिट पर 4.5 फीसदी का सीधा असर पड़ेगा। सरकार के 20 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज में पहले चरण में घोषित 1.7 लाख करोड़ रुपए के राजकोषीय प्रोत्साहन दिया गया। जबकि इसी दौरान विभिन्न मौद्रिक नीतिगत उपायो के जरिए 5.6 लाख करोड़ रुपए की राहत दी गई।

1.29 लाख करोड़ रुपए का असर फिस्कल डेफिसिट में होगा

कुछ विश्लेषकों के मुताबिक भारत में वित्त वर्ष 2021 में फिस्कल डेफिसिट 16 लाख करोड़ रुपए का हो सकता है। यह जीडीपी के अनुपात में 8 प्रतिशत होगा। गुरुवार को जारी राहत पैकेज का फिस्कल डेफिसिट पर महज 0.07 प्रतिशत असर होगा। कुल पैकेज 20 लाख करोड़ पर फिस्कल डेफिसिट 1,28,500 करोड़ रुपए से 1,29,250 करोड़ रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले पैकेज 7.35 लाख करोड़ पर 73,000 करोड़ रुपए फिस्कल डेफिसिट होगा। इसमें पीएमजीकेवाई, फ्री कैश और फुड के तहत 1.70 लाख करोड़ जारी किए गए। आरबीआई के लिक्विडिटी सपोर्ट 5,65,200 करोड़ पर कोई फिस्कल डेफिसिट नहीं होगा। इसी तरह दूसरे पैकेज में 5,94,250 करोड़ रुपए पर फिस्कल डेफिसिट के रूप में 41,000 से 41,500 करोड़ रुपए का असर पड़ेगा।

20 को खुलेगा रिलायंस इंडस्ट्रीज का राइट्स इश्यू, 3 जून तक सब्सक्रिप्शन का मौका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड राइट्स इश्यू 20 मई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने जा रहा है। निवेशकों को शेयर खरीदने का मौका 3 जून तक मिलेगा। कंपनी ने शेयर बाजार को भेजे एक पत्र में इसकी जानकारी दी है। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू है। आरआईएल इसके जरिए अपने शेयर होल्डर्स से 53,000 करोड़ रुपए से अधिक की रकम जुटाने का ऐलान किया है। कंपनी को कर्जमुक्त बनाने की दिशा में कंपनी का यह अब तक का सबसे बड़ा राइट्स इश्यू है। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फ्क्क्ष) के शेयर धारकों के लिए एक अनूठा अवसर आया। यह अवसर है सस्ते में कंपनी के शेयर खरीदने का। आरआईएल ने एक नोटिफिकेशन में कहा यह राइट इश्यू 1257 रुपए प्रति शेयर के भाव पर लाया जाएगा। राइट्स इश्यू का साइज 53,125 करोड़ रुपए का होगा। कंपनी के हर 15 शेयर रखने वालों को बाजार से कम कीमत पर एक शेयर खरीदने का अवसर दिया जाएगा। आरआईएल के निदेशक मंडल ने ऐलान किया है कि वह राइट इश्यू के जरिए 53,125 करोड़ रुपए जुटाएगी। रिलायंस ने एक बयान में कहा है कि बोर्ड ने योग्य इक्विटी शेयरधारकों को राइट्स बेसिस पर कंपनी के प्रत्येक 10 रुपए के इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी है। यानी राइट्स इश्यू 53,125 करोड़ रुपए शेयर जारी किए जाएंगे, जो शेयरधारकों के लिए निवेश का खास मौका होगा। इश्यू के लिए रेकॉर्ड डेट क्या होगी और इसके लिए किस तारीख के बीच आवेदन करना होगा, इसका ऐलान कंपनी बाद में करेगी। कंपनी के निदेशक मंडल ने राइट इश्यू के जरिए दिए जाने वाले शेयर का भाव 1257 रुपए रखा है।

सोमवार से शहर का बाजार खुलने की उम्मीद है

ग्वालियर. रविवार को लॉकडाउन पार्ट-3 पूरा हो रहा है। सोमवार से शहर का बाजार खुलने की उम्मीद है। हर व्यापारी आस लगाकर बैठा है। पुलिस और प्रशासन ने भी इसे लेकर प्लानिंग कर ली है। बाजार खोलने के साथ ही प्रशासन का होम डिलीवरी पर फोकस है। बाजार खुलेगा तो भीड़ भी आएगी, इसे लेकर अब पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों से बाजारों में निगरानी की तैयारी की है। वहीं 41 मोबाइल वैन पूरे शहर में भ्रमण करेंगी, जिसमें थाना प्रभारी और सब इंस्पेक्टर तैनात रहेंगे। दुकानों पर भीड़ कंट्रोल करने के लिए थानों का फोर्स सुबह से पेट्रोलिंग करेगा।

नियम टूटते मिलें तो वाट्सएप पर फोटो भेजकर करें शिकायत-एसपी नवनीत भसीन ने बताया कि बाजार खुलेंगे तो पूरी सुरक्षा के साथ। गाइडलाइन आने के बाद पूरी तैयारी कर लेंगे। अभी सुरक्षा के लिहाज से प्लानिंग कर ली है। हेल्पलाइन नंबर 7049110100 पर ऐसे लोगों, दुकानदारों और वाहन चालकों के फोटो और वीडियो वाट्सएप किए जा सकते हैं जो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर रहे। मास्क, ग्लब्स नहीं लगा रहे। उन्होंने बताया कि एसपी नवनीत भसीन ने बताया कि अब बाजार खुलने पर फोकस भीड़ नियंत्रण पर रहेगा। दुकानदारों के साथ बैठक करेंगे।

पुलिस की यह रहेगी प्लानिंग-सीसीटीवी कैमरे: 125 पॉइंट पर 576 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इनसे कंट्रोल रूम से निगरानी की जाएगी। कंट्रोल रूम की स्क्रीन को दो हिस्सों में बांट दिया गया है। जिससे दो हिस्सों में बाजारों पर निगाह रखी जा सके।

पेट्रोलिंग: 41 मोबाइल वैन के अलावा बाजारों में ट्रैफिक पॉइंट चेकिंग के लिए लगेंगे। इनका फोकस बिना मास्क लगाए लोगों को पकड़ने पर रहेगा। यह लोग ऐसे लोगों का चालान बनाएंगे, चालान के बदले मास्क देंगे। मास्क, ग्लब्स और सेनिटाइजर पर फोकस- सीएसपी और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण करेंगे। जो दुकानदार मास्क, ग्लब्स नहीं लगाया होगा, उसे दुकान नहीं खोलने की जाएगी। इसके अलावा दुकानदार को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराने के लिए मार्किंग करानी होगी।

शहर से निकलने वाले हर जरूरतमंद को भोजन, पानी उपलब्ध कराया जा रहा है

ग्वालियर। भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। अतिथि को संतुष्ट करना हमारा ध्येय भी होता है। नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के दौर में देशभर में अनेक समाजसेवी तन-मन-धन से सेवा कार्य कर रहे हैं। ग्वालियर में भी अनेक समाजसेवी संस्थायें शासन-प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाजसेवा के कार्य में लगे हैं। लॉकडाउन के दौरान देशभर में अपने कार्य के कारण फँसे हुए लोगों को उनके घर तक पहुँचाने के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विशेष पहल की है। देशभर के कौने-कौने से मध्यप्रदेश के लोग अपने घरों के लिये वापस लौट रहे हैं। इसके साथ ही प्रदेश भर से अनेक लोग देश के अनेक प्रदेशों में अपने घर के लिये रवाना हो रहे हैं।

ग्वालियर से गुजरने वाले हर व्यक्ति को भोजन, पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन के साथ समाजसेवियों ने भी उठा रखी है। ग्वालियर के श्री गोपाल सिंह गुर्जर ने भी समाजसेवा के लिये अपना निजी ढाबा न केवल समाजसेवियों को सौंप दिया है, बल्कि स्वयं भी दिन-भर जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिये कार्य कर रहे हैं। श्री गोपाल सिंह गुर्जर बाईपास रोड़ पर स्थित अपने ढाबे पर सुबह से ही लोगों को भोजन, पानी उपलब्ध कराने के लिये लगे रहते हैं। इंसानियत के सिपाही बैनर तले समाजसेवियों के साथ-साथ श्री गोपाल सिंह गुर्जर भी अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। श्री गोपाल सिंह गुर्जर ने व्यवसाय के लिये बाइपास रोड पर एक ढाबे का निर्माण किया है। इस ढाबे का शुभारंभ भी नहीं हो पाया था। नोवेल कोरोना वायरस के कारण पूरे देश भर में लॉकडाउन की घोषणा हो गई। लॉकडाउन के कारण अपने ढाबे का शुभारंभ न कर पाए। परंतु सामाजिक संस्थाओं द्वारा सड़क मार्ग से गुजर रहे श्रमिकों और जरूरतमंदों को भोजन की उपलब्धता कराते देख उन्होंने अपना ढाबा स्वयं ही बिना शुभारंभ के प्रारंभ कर दिया है। उनका कहना है कि प्रतिदिन एक हजार से अधिक लोग ढाबे पर आकर रूकते हैं और भोजन, पानी करने के साथ ही विश्राम कर अपने गंतव्य के लिये रवाना हो रहे हैं। लोगों को भोजन, पानी उपलब्ध कराने से जो सुख मिल रहा है उसकी कीमत उनके अनुसार अनमोल है। ग्वालियर के ही वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. राकेश पाठक भी इस पुनीत कार्य में सहभागी बने हैं। इंसानियत के सिपाही संस्थान के माध्यम से शहर के प्रसिद्ध चिकित्सक, समाजसेवी, उद्योगपति एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से ग्वालियर शहर से गुजरने वाले श्रमिकों एवं जरूरतमंदों को भोजन, पानी की व्यवस्थाओं का जिम्मा उठाए हुए हैं। ग्वालियर से निकलने वाले बायपास रोड से ग्वालियर से दिल्ली और ग्वालियर से झाँसी उत्तरप्रदेश की ओर जाने वाले अनेकों श्रमिक एवं जरूरतमंद इस ढाबे पर रूककर निःशुल्क भोजन, पानी की व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं। इसके साथ ही समाजसेवियों द्वारा यहां पर जरूरतमंदों के लिये जूते-चप्पल भी निःशुल्क उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कई श्रमिक एवं जरूरतमंद पैदल-पैदल चलकर भी अपने गाँव की ओर पहुँचने के लिये निकल पड़े हैं। ऐसे लोगों के लिये भी ढाबे पर नहाने, धोने की व्यवस्था के साथ-साथ भोजन, पानी और उनके साथ चल रहे बच्चो के लिये बिस्किट एवं टॉफी की व्यवस्था भी की गई है। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने भी शनिवार को समाजसेवियों द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अपने हाथों से जरूरतमंदों को भोजन प्रदान किया। इसके साथ ही जरूरतमंद लोगों को टॉफी, बिस्किट, फल और जूते-चप्पल भी प्रदान किए। नगर निगम प्रशासन द्वारा भी ऐसे समाजसेवियों को हर संभव मदद की जा रही है।

खाने से लेकर राशन तक सारी व्यवस्था मुहैया कराई

ग्वालियर / वार्ड नंबर 19 से कुंज विहार कॉलोनी फेस 2 लॉक डाउन के चलते हुए जरूरत बंद लोगों को 25 अप्रैल से बराबर लोगों को खाने से लेकर राशन तक सारी व्यवस्था मुहैया करा रही है और कॉलोनी की समिति ने संकल्प लिया है जब तक आवश्यकता रहेगी हम लोगों की मदद करेंगे जिसमें कुछ बाहरी सपोर्ट भी मिलता रहता है जिसमें वार्ड नंबर 19 से पार्षद श्री बलवीर सिंह तोमर श्रीमती रिशु राजावत समाज सेवी एवं जिला महामंत्री बीजेपी श्रीमती बिजनेस जादौन हनुमान कॉलोनी व कुंज विहार फेस टू व्यवस्था समिति अध्यक्ष श्री धर्मराज सिंह तोमर विद्याराम शर्मा वीरेंद्र सिंह सिसोदिया अखिल भारतीय छत्रिय महासभा जिला उपाध्यक्ष श्री अरविंद सिंह तोमर जी सुखदेव भदोरिया दिनेश भदौरिया जी श्याम सिंह कुशवाह गोपी चंद शर्मा पूरन सिकरवार अशोक गुप्ता राकेश राठौर महावीर तोमर तहसीलदार कुशवाह अशोक श्रीवास्तव गिरेंद्र सिंह तोमर संजय नामदेव श्री कृष्ण सिकरवार व पूरी कुंज बिहार व्यवस्था समिति के सहयोग से यह कार सुचारू रूप से आगे भी चलता रहेगा.

सही मार्गदर्शन के अभाव परेशान हो रहे है

ग्वालियर। आज के समय मे हर व्यक्ति आगे बढ़ने की प्रतिस्पर्धा में लगा हुआ इस कारण स्वयं अवसाद से ग्रसित होते जा रहे है तथा सही मार्गदर्शन के अभाव परेशान हो रहे है अवसाद से वाहर आकर मानव जीवन के वासतविक उद्देश्य की पूर्ति के लिए आनंद सेवा एफ एक प्यास है जिला ग्वालियर के कलेक्टर कोशलेद् विकृम सिह राज्य आनंद संस्थान ग्वालियर के नोडल ऑफिसर, एवं अपर कलेक्टर अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आनंद सेवा ग्वालियर ऐप के माध्यम से 12 प्रकार की सुबिधाये राज्य एवम राष्ट्रीय स्तर के विषय विशेषज्ञों के माध्यम से निःशुल्क सेवाये उपलब्ध कराने हेतु इस ऐप का निर्माण किया गया है इस एप में मुख्य सेवाये 1 . मनोवैज्ञानिक एवम काउसलिंग सेवाय श्री मनीष शर्मा, उपायुक्त श्री ब्रहैद् गुप्ता,डॉ पिंकी सक्सेना ब्रजेश शर्मा 2. प्राथमिक चिकित्सा में श्री दिनकर शर्मा 3, ऑनलाइन एजूकेशन में श्री पवन दीक्षित 4,पर्सनलिटी डवलपमेंट में श्री असुमान शर्मा 5, आयुर्वेद परामर्श में डॉ नीलेश शर्मा 6,होम्योपैथी में डॉ रूपा आनंद 7, युवाओ का प्रशिक्षण एवम रोजगार सुधीर भदौरिया अमित शर्मा ,8, योग मेडिटेशन,सुनीता नीडम वूली सैगर 9,होबी मै हेंडक्राफ्ट प्रशिक्षण10, खेल प्रशिक्षण,11, गिविंग सर्कल,12 डा सतेन्द् राहुल अल्टरनेटिव चिकित्सा के माध्यम से सेवाय निःशुल्क परामश्ृ से प्रदान की जावेगी उक्त पहल के लिये ग्वालियर आयुक्त एम बी ओझा, पूर्व आयुक्त श्री बी एम शर्मा, जीवाजी विश्विद्यालय की कुलपति श्रीमति संगीता शुक्ला, राज्य आनंद संस्था भोपाल के सीईओ श्री अखिलेश अर्गल ने शुभकामनाएं प्रस्तुत कर सराहनीय कार्य की प्रशंसा की एवम उक्त कदम को आज की आवश्यकता बताया इस एप के निर्माण में मुख्य रूप से जिला समन्वयक ए के शर्मा हर्ष अरजरिया मनीष शर्मा, ने विशेष सहयोग प्रदान किया साथ अधिक से अधिक डाउनलोड कर हरवर्ग को सुविधा लेने के लिए निवेदन किया ।

काँचमील ग्वालियर का शातिर बदमाश लाला, अवैध शराब जब्त कर किया गिरफ्तार

सुरजीत राजावत

ग्वालियर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री नवनीत भसीन ,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पांडेय के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक महाराजपुरा ग्वालियर श्री रवि भदौरिया व पुलिस थाना हजीरा ग्वालियर टी आई आलोक परिहार के नेतृत्व में पुलिस थाना हजीरा टीम ने काँचमील पानी की टँकी पार्क से आरोपी लाल क्राइम उर्फ राहुल शर्मा उम्र 19 वर्ष निवासी आनंद नगर गेट काँचमील ग्वालियर को अवैध रूप से शराब बेचते दबोचा व 20 क्वाटर देशी शराब प्लेन के जब्त किए । धारा 34 (1) आबकारी एक्ट में कार्यवाही की । लाला क्राइम पर कई अपराध दर्ज हैं व क्षेत्र में इसका आतंक है । पुलिस थाना हजीरा की टीम में प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान, आरक्षक लेखराज सिंह गुर्जर, जनक सिंह, रूप किशोर ,राहुल राजावत व जितेंद्र जादौन शामिल रहे व मुख्य भूमिका आरक्षक लेखराज सिंह गुर्जर की रही।

कार्रवाई / मिस्ड कॉल के बाद दोस्ती हुई, शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म, केस दर्ज

ग्वालियर. कंपू क्षेत्र में एक युवती को युवक ने मिस्ड कॉल किया। जब युवती ने फोन लगाया तो बातचीत के बाद युवक ने उससे दोस्ती कर ली। इसके बाद वह युवती के घर पहुंचा और शादी का प्रस्ताव दिया, फिर मिलने के बहाने दोस्त के कमरे पर ले जाकर दुष्कर्म कर दिया। तीन साल तक शोषण के बाद आरोपी शादी से मुकर गया। तब युवती ने उसके खिलाफ कंपू थाने में मामला दर्ज करा दिया। सीएसपी मुनीष राजौरिया ने बताया कि कंपू क्षेत्र के जयारोग्य अस्पताल के पास स्थित दोस्त के कमरे पर योगेंद्र उर्फ कृष्णा जाट निवासी बनवार ने गोल पहाड़िया निवासी युवती के साथ दुष्कृत्य कर दिया। युवती के मोबाइल पर तीन वर्ष पहले मिस्ड कॉल आया था। जब युवती ने कॉल किया तो बात करने वाले ने अपना नाम योगेंद्र उर्फ कृष्णा जाट निवासी बनवार चीनौर बताया। उसने कहा कि गलती से नंबर लग गया था। इसके बाद युवक उसे कॉल कर बात करने लगा। आरोपी योगेंद्र ने उसके घर आकर उससे शादी का प्रस्ताव भी दिया। कुछ दिन बाद योगेंद्र ने उसे जयारोग्य अस्पताल के पास बुलाया और वहां से पास ही स्थित अपने दोस्त के घर ले गया। यहां शादी का भरोसा देकर उसके साथ दुष्कृत्य किया। इसके बाद वह तीन साल तक उसका शोषण करता रहा। फेसबुक पर विवाहित महिला से दोस्ती कर युवक ने उससे मुलाकात बढ़ाई। इसके बाद शादी का झांसा देकर परिजनों से मिलाने के बहाने अपने घर बुला लिया। घर पर कोई नहीं था, इसके बाद उसने महिला से दुष्कर्म कर दिया। उसने महिला के अश्लील फोटो खींचे व वीडियो भी बना लिए और बाद में दबाव में लेकर महिला से वाट्सएप पर अश्लील फोटो भी मंगाए। इसके बाद आरोपी वीडियो फोटो वायरल करने की धमकी देकर उसका शोषण करने लगा। उसने वीडियो व फोटो वापस करने के नाम पर महिला से रुपए और गहने भी ले लिए। महिला ने परेशान होकर ने ग्वालियर थाने में रिपोर्ट की। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी रघुवीर मीणा ने बताया कि आमखो निवासी महिला की लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व फेसबुक पर अमित परिहार निवासी रानीपुरा से दोस्ती हुई। अमित ने उसे फोन कर घरवालों से मिलाने के लिए बुलाया। महिला जब घर पहुंची तब पता चला कि उसके घर पर कोई नहीं है। अमित ने उसे चाय पिलाने के बहाने रोका और उसके साथ गलत काम किया।

पुलिस का लंगर : यहां रोज दो हजार लोगों के लिए बनाया जा रहा खाना

ग्वालियर. पैदल चलकर आ रहे भूख-प्यास से बेहाल मजदूरों के लिए पुलिस ने लंगर शुरू किया है। यहां हर दिन दो से ढाई हजार लोगों के लिए खाना बन रहा है। पूड़ी और सब्जी के साथ प्याज भी दी जा रही है। ताकि गर्मी में इन्हें लू न लग जाए। पूड़ी और सब्जी के अलावा दलिया और खिचड़ी भी बन रही है। शहर के करीब दस थानों के पुलिस अधिकारी और कर्मियों के सहयोग से पनिहार टोल प्लाजा और निरावली चेक पोस्ट पर यह लंगर चल रहा है। पुलिसकर्मी आसपास के गांव वालों की मदद से खुद ही खाना बना रहे हैं। यह नजारा शहर में पहली बार दिख रहा है, जब चोर-लुटेरों को पकड़ने वाली पुलिस अपने हाथ से खाना बनाकर गरीबों की बढ़-चढ़कर मदद कर रही है। लोगों को इलेक्ट्रॉल पाउडर, पानी की बोतल, मास्क और सेनिटाइजर भी दिया जा रहा है।

पनिहार टोल प्लाजा- यहां चार दिन पहले लंगर शुरू हुआ। एएसपी सतेंद्र तोमर के नेतृत्व में टीआई कंपू विनय शर्मा, टीआई कोतवाली विवेक अष्ठाना, टीआई जनकगंज प्रीति भार्गव, एसओ गिरवाई शत्रुघन मिश्रा, एसओ पनिहार जितेंद्र मावई और इनका पूरा स्टाफ यहां लगा हुआ है। पुलिसकर्मी आटा, तेल और आलू की व्यवस्था खुद कर रहे हैं। आपस में पैसा एकत्र किया है और कुछ सामाजिक संस्थाओं से भी मदद ली है। पनिहार और आसपास के गांव में रहने वाले किसान सब्जियों की व्यवस्था कर रहे हैं। पुलिसकर्मी और ग्रामीण ही खाना बना रहे हैं। इसके बाद पैकेट में भरकर भोजन को मजदूरों को बांटा जा रहा है। निरावली चेक पोस्ट- निरावली पर एक ढाबा ही पुलिस ने अपने अंडर में ले लिया है। यहीं मजदूरों के लिए खाना तैयार कराया जा रहा है। सीएसपी रवि भदौरिया के नेतृत्व में टीआई पुरानी छावनी राजीव गुप्ता, टीआई महाराजपुरा आसिफ मिर्जा बेग, टीआई हजीरा आलोक परिहार, टीआई गोला का मंदिर हीरा सिंह चौहान की एक टीम बनी है। यह टीम यहां कच्चे राशन से लेकर खाना बनाने तक की जिम्मेदारी ली हुई है।

ग्वालियर एवं चंबल संभाग में रविवार को 5 हजार 800 से अधिक श्रमिकों को भेजा उनके घर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने हेतु देश में लागू लॉकडाउन के तहत देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश के एवं सीमावर्ती राज्यों के फँसे प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गई है। प्रदेश सहित अन्य राज्यों में फँसे मजदूरों को लाने का सिलसिला निरंतर जारी है। रविवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों से लगभग 5 हजार 805 आए श्रमिकों को विशेष बसों में बैठाकर उनके गंतव्य स्थल तक भेजा गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचने वाले प्रवासी श्रमिकों की थर्मल स्क्रीनिंग, ठहरने, भोजन, चाय, नाश्ता, पेयजल आदि की व्यवस्था के साथ प्रदेश के गृह जिलों तथा पड़ोसी राज्यों की सीमाओं पर भेजने के लिये स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा बसों के विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन प्रवासी मजदूरों को उनके गृह जिले में भेजने के पूर्व उनके नाम, पता, मोबाइल नम्बर लेने के बाद ही रवाना किया जा रहा है। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में रविवार को ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले में 2 हजार 362 श्रमिकों को रेलवे स्टेशन एवं मालवा कॉलेज से विशेष बसों से रवाना किया गया। इसी प्रकार शिवपुरी जिले में 176, दतिया में 650, गुना में 60 श्रमिकों को रवाना किया गया। जबकि अशोकनगर जिले में शनिवार तक कुल 5 हजार 218 प्रवासी मजदूरों को उनके घरों तक भेजा जा चुका है। इसी प्रकार चंबल संभाग के मुरैना जिले में 1097 श्रमिकों को, भिण्ड में 1460 श्रमिकों को उनके घरों तक भेजने की व्यवस्था की गई है। जबकि श्योपुर जिले में शनिवार तक कुल 6 हजार 827 श्रमिकों को उनके घरों तक भेजा जा चुका है।

तापमान : अगले सप्ताह तक 45 डिग्री पहुंच सकता है पारा

ग्वालियर। शहर में भले ही शनिवार को तापमान पिछले दिन के मुकाबले कम दर्ज हुआ लेकिन अगले कुछ दिनों में सूरज के तेवर तीखे हो सकते हैं। ऐसी स्थिति में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि फिर पश्चिमी विक्षोभ के भंवर में अधिकतम तापमान नीचे लुढ़केगा। मौसम विभाग को अधिकतम तापमान 20-21 मई तक बढ़ने की उम्मीद है। शनिवार को दिन में हल्के बादल छाए रहे। इस कारण धरती पर सूरज की किरणों का असर कुछ कम रहा। यही कारण रहा कि शुक्रवार को अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस था, जो शनिवार को 40.8 डिग्री पर आ गया। रात्रि के न्यूनतम तापमान में भी कमी दर्ज की गई। यह पिछ्लौ दिन की तुलना में 1.9 डिग्री कम यानि 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478